दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

भारी बारिश से मुंबई ठप

मुंबई में भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त...बस, रेल, विमान सेवाएं प्रभावित; स्कूल-कॉलेज बंद

- स्कूल-कॉलेज बंद
- निचले इलाकों में पानी भरा
- ट्रेन और हवाई सेवाएं बुरी तरह प्रभावित

अमित बृज । मुंबई

मुंबई में रविवार देर रात 1 बजे से सोमवार सुबह 7 बजे तक छह घंटों में करीब 300 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। इस कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। तेज बारिश के चलते मुंबई एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी भी घटी। रात 2:22 बजे से सुबह 11 बजे तक की 50 फ्लाइट्स को कैंसिल करना पड़ा। इनमें से 42 फ्लाइट्स इंडिगो, 6 फ्लाइट्स एअर इंडिया और 2 फ्लाइट्स अन्य एयरलाइंस की हैं। रेलवे ने बताया कि ट्रैक पर पानी भरने के कारण मुंबई डिवीजन की 5 ट्रेन कैंसिल कर दी गईं। वहीं कुछ लोकल ट्रेन भी कई घंटों की देरी से चल रही हैं। मुंबई में BMC ने सरकारी और प्राइवेट स्कूल-कॉलेजों में आज के लिए छुट्टी घोषित कर दी है। वहीं, महाराष्ट्र के रायगढ़ फोर्ट में सोमवार सुबह 3 बजे से तेज बारिश हो रही है। इस कारण फोर्ट की सीढ़ी पर तेज रफ्तार से पानी बह रहा है। कई पर्यटक फोर्ट में ऊपर ही फंसे हुए हैं। इस बीच सीएम एकनाथ शिंदे ने लोगों से अपील की है कि जरूरी हो तभी घर से बाहर निकलें। पर्यावरण एक्टिविस्टों ने जलभराव के लिए मुंबई मेट्रो के कंस्ट्रक्शन को जिम्मेदार बताया है। उनका कहना है कि पूरे शहर में बनाए गए कॉन्क्रीट के स्ट्रक्चर के कारण पानी को जमीन सोख नहीं पा रही है। सड़कें भी सीमेंट की बना दी गई हैं और जल निकासी का सिस्टम अब भी अंग्रेजों के जमाने का है।

भारी बारिश का असर

रेल सेवा : पटरियां पानी से भरीं

मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने बताया, दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और ठाणे के बीच मुख्य रेल मार्ग की फास्ट लाइन पर विभिन्न स्थानों पर जलभराव हो गया। इस कारण रेल सेवाओं को कुछ समय के लिए रोक दिया गया। उन्होंने बताया कि स्लो लाइन पर उपनगरीय रेल सेवाएं जारी रहीं। चूनाभट्टी में जलभराव के कारण हार्बर लाइन पर भी रेल सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गईं। यात्रियों ने उपनगरीय ट्रेनों के विलंब से चलने की शिकायत की।

आपातकालीन सेवाएं अलर्ट मोड पर

मुंबई में सभी आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखा गया है। एनडीआरएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि टीमों को मुंबई के कुर्ला और घाटकोपर इलाकों और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में तैनात किया गया है। इनमें ठाणे, वसई (पालघर), महाड (रायगढ़), चिपलून (रत्नागिरी), कोल्हापुर, सांगली, सतारा और सिंधुदुर्ग शामिल हैं। राज्य सरकार ने मुंबई, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के सभी स्कूलों में सोमवार को छुट्टी घोषित कर दी है।

रायगढ़ पहाड़ी में फंसे पर्यटक बचाए

भारी बारिश के बाद मुंबई के पास रायगढ़ पहाड़ी के किले में फंसे कई पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई से लगभग 170 किलोमीटर दूर स्थित किले को अब 31 जुलाई तक आगंतुकों के लिए बंद कर दिया गया है। किले तक पहुंचने के लिए केवल रोपवे ही चालू रहेगा। महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र के रायगढ़ जिले में हुई भारी बारिश के कारण कई पर्यटक किले में फंस गए। सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी आया। वहीं, ठाणे में अलग-अलग इलाकों में कई घरों में पानी घुस जाने के बाद 54 लोगों को सुरक्षित निकाला गया।

ठाणे में भूस्खलन, 25 को बचाया

ठाणे में सोमवार दोपहर को एक पहाड़ी पर भूस्खलन हुआ। समय रहते चार घरों में फंसे 25 लोगों को बचा लिया गया। पहाड़ी के शेष हिस्से पर चार घर और दो पेड़ खतरनाक स्थिति में हैं।

ठाणे में नुकसान

- **275** मकान क्षतिग्रस्त
- **12** घर आंशिक रूप से ढहे
- **20** वाहन बह गए
- **120** घर जलमग्न हुए
- **40** घरों में पानी घुसा

विमान सेवा : मुंबई हवाई अड्डे पर 50 उड़ानें रद्द

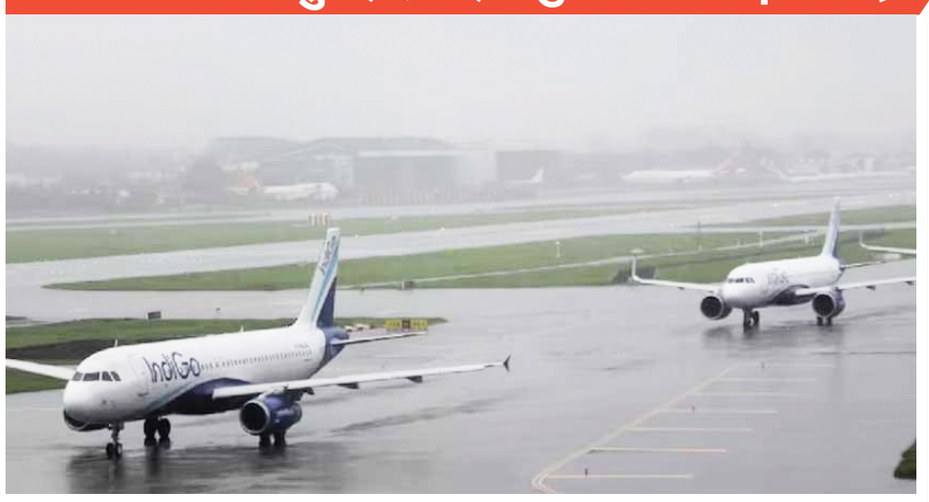

मुंबई हवाई अड्डे पर सोमवार को सेवाएं शहर में भारी बारिश के कारण बुरी तरह प्रभावित हुईं और कम दृश्यता के कारण रनवे पर परिचालन गतिविधियां एक घंटे से अधिक समय तक बंद रहीं एवं 50 उड़ानें रद्द की गईं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि रद्द की गई 50 उड़ानों (आगमन और प्रस्थान दोनों) में से 42 सेवाएं 'इंडिगो' की और छह 'एअर इंडिया' की थीं। एक सूत्र ने कहा, ''कम दृश्यता और भारी बारिश के कारण मुंबई हवाई अड्डे पर सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक 50 उड़ानें रद्द की गईं। इनमें से 42 उड़ानें इंडिगो की थीं, उनमें से 20 प्रस्थान उड़ानें थीं। एअर इंडिया की छह उड़ानें रद्द हुईं, उनमें से तीन यहां उतरने वाली उड़ानें थीं। सूत्र ने बताया कि सरकारी स्वामित्व वाली 'एलायंस एयर' को भी सोमवार को अपनी दो (एक प्रस्थान और एक आगमन) उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

नेता-मंत्री भी जूझे

सदन की कार्यवाई एक बजे तक स्थगित

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने भारी बारिश के कारण दक्षिण मुंबई में विधानमंडल परिसर में कई विधायकों और मंत्रियों के नहीं पहुंच पाने के कारण सदन की कार्यवाही दोपहर एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

पटरियों पर चलते देखे गए मंत्री-नेता

भारी बारिश और रेलगाड़ियों के देर से चलने के कारण सोमवार को राज्य विधानमंडल सत्र में भाग लेने आए कुछ विधायकों और एक राज्य मंत्री को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। महाराष्ट्र के राहत एवं पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री अनिल पाटिल और एनसीपी के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) अमोल मिटकरी हावड़ा-मुंबई ट्रेन से उतरकर कुछ दूर तक पटरियों पर चलते देखे गए, जिसका एक वीडियो वायरल हुआ है।

शिंदे ने आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष का दौरा किया

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को मंत्रालय में एक बैठक कर मुंबई में भारी बारिश की स्थिति की समीक्षा की और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के नियंत्रण कक्ष का दौरा भी किया। मंत्रालय में राज्य के राहत व पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री अनिल पाटिल भी मौजूद रहे। मंत्रालय में बैठक की अध्यक्षता करने के बाद शिंदे बीएमसी मुख्यालय में आपदा विभाग के नियंत्रण कक्ष भी गए और स्थिति की समीक्षा की। बीएमसी अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को स्थिति से अवगत कराया। उनके साथ मुंबई और मुंबई उपनगरों के संरक्षक मंत्री क्रमशः दीपक केसरकर और मंगल प्रभात लोढ़ा, उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी गिरीश महाजन, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, नगरपालिका आयुक्त भूषण गगरानी और भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी आईएस चहल भी मौजूद थे।

कहां कितनी बारिश ?

एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार को सुबह आठ बजे तक 24 घंटे में मुंबई में औसत 115 .63 मिलीमीटर बारिश हुई जबकि मुंबई के पूर्वी तथा पश्चिमी हिस्सों में क्रमशः 168 .68 मिमी. और 165 .93 मिमी. बारिश हुई। पूर्वी मुंबई में गोवंडी में सबसे अधिक 315 .6 मिमी. बारिश हुई। इसके बाद पवई में 314 .5 मिमी. जबकि पश्चिमी हिस्से में अंधेरी में मालपा डोंगरी में सबसे अधिक 292 .2 मिमी. बारिश हुई। इसके बाद चकाला में 278 .2 मिमी. बारिश हुई। मुंबई के प्रतीक्षा नगर में 220 .2 मिमी. बारिश हुई और उसके बाद सेवरी कोलीवाड़ा में 185 .8 मिमी. बारिश हुई।

मुंबई में भारी बारिश से जलजमाव के बाद उद्धव सेना का हमला

बारिश के बाद मुंबई में कई जगहों पर जलजमाव की समस्या देखने को मिल रही है। शिवसेना (यूबीटी) से राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने जलजमाव की समस्या के लिए राज्य की सत्ताधारी एकनाथ शिंदे सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मुंबई में इस साल की धुआंधार बारिश का पहला दिन है। ऐसा नहीं है कि बारिश नई आई है, ये उतनी ही है, जितनी हर साल पड़ती है। बीएमसी के वादों को याद दिलाकर प्रियंका चतुर्वेदी ने निशाना साधते हुए कहा कि बीएमसी ने वादे किए थे कि सारे नाले साफ हो गए हैं, ड्रेन की सफाई हो चुकी है, इसके जो भी ब्लॉक हैं हटा दिए गए हैं। डिसिल्टींग हो चुकी है। अब दिखाई पड़ रहा है कि वो सारे वादे झूठे थे। वहीं मुख्यमंत्री एक महीने पहले जाते हैं और निरीक्षण करते हैं और फोटो खिंचवाते हैं। दिखाने की कोशिश करते हैं कि वो इंचार्ज हैं और बीएमसी से काम ले रहे हैं। लेकिन पहली ही बारिश में दूध का दूध और पानी का पानी हो गया। उन्होंने आगे कहा कि मुंबई में बारिश के कारण अंडरपास पानी से भरे हुए हैं, ड्रेन ब्लॉक हैं, पानी बह नहीं रहा है, ट्रेनें रुकी हुई हैं। इसकी वजह से स्कूल और कॉलेज में भी छुट्टी देनी पड़ी है।

अगले 5 दिनों तक जारी रहेगी ऐसी ही बारिश

मॉनसून विदर्भ तक तो पहुंच गया लेकिन पूरे विदर्भ को कवर करने में उसे समय लग गया। अब विदर्भ के ज्यादातर हिस्सों में गरज-चमक के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। विदर्भ और मराठवाड़ा में रविवार को अच्छी बारिश हुई। अगले पांच दिनों तक ऐसी ही बारिश जारी रहेगी। पुणे, कोल्हापुर, सतारा में भी भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। मराठवाड़ा में भी ज्यादातर इलाकों में भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग की ओर से कहा गया है कि राज्य में सोमवार से बारिश की तीव्रता बढ़ जाएगी और 10 जुलाई तक विदर्भ और मराठवाड़ा के लिए बारिश का येलो अलर्ट घोषित किया गया है। कोंकण के साथ-साथ मुंबई में भी भारी बारिश की संभावना है। अगले पांच दिनों के लिए मुंबई, उपनगरों और कोंकण के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अगले पांच दिनों में कोंकण, मराठवाड़ा, विदर्भ और मध्य महाराष्ट्र में भी अच्छी बारिश का अनुमान है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बीएमसी को लगाई फटकार

धीरज सिंह/मुंबई। कोरोना काल में अस्पतालों में सामग्री सप्लाई में करोड़ों के घोटाले के मामले में 4 इंजीनियरों के खिलाफ जांच को लेकर हाई कोर्ट ने मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को फटकार लगाई। अदालत ने बीएमसी को एक सप्ताह में हलफनामा दाखिल कर जवाब देने का निर्देश दिया है। ईओडब्ल्यू ने बीएमसी से 4 इंजीनियरों से पूछताछ की अनुमति मांगी है। 24 जुलाई को मामले की अगली सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते ढेरे और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की पीठ के समक्ष सोमवार को म्युनिसिपल इंजीनियर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रमेश देशमुख की ओर से वकील हर्षवर्धन सूर्यवंशी की दायर याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान बीएमसी के वकील ने कहा कि मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बीएमसी आयुक्त से 4 इंजीनियर से पूछताछ की अनुमति मांगी है। जबकि ईओडब्ल्यू को इसकी अनुमति राज्य सरकार से मांगनी चाहिए। इस पर पीठ ने कहा कि इस मामले में बीएमसी जो कुछ भी कहना चाहती है, उसे लिखित में कहानी चाहिए। अदालत ने बीएमसी को एक सप्ताह में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

आयोग ने राकांपा (एसपी) को चंदा स्वीकार करने की अनुमति दी

एजेंसी । नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने सोमवार को महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) को चंदा स्वीकार करने की अनुमति दे दी। शरद पवार की अगुवाई वाली पार्टी ने आयोग से अनुरोध किया था कि वह जनता से स्वैच्छिक योगदान स्वीकार करने के लिए पार्टी की स्थिति को प्रमाणित करे। आयोग ने पार्टी को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की संबंधित धाराओं के तहत सरकारी कंपनी के अलावा किसी भी व्यक्ति या कंपनी द्वारा स्वेच्छा से दी गई किसी भी राशि के अंशदान को स्वीकार करने के लिए अधिकृत किया है। यह अधिनियम सभी राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले अंशदान को नियंत्रित करता है। एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी के आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को आयोग से मुलाकात भी की।

कठुआ में सेना के वाहन पर ग्रेनेड से आतंकी हमला

अफसर समेत 4 जवान शहीद, 6 घायल; दो महीने में दूसरा अटैक

एजेंसी । कठुआ

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकियों ने सेना वाहन पर ग्रेनेड से हमला किया। इसके बाद आतंकी और सुरक्षाबलों के बीच में मुठभेड़ जारी है। इस हमले में 4 जवान शहीद हो गए हैं, जबकि 6 जवान घायल हो गए हैं। सूत्रो ने कहा कि यह प्लान किया हुआ हमला था। हालांकि, सेना ने भी इसका मुहतोड़ जवाब दिया है।

राजौरी में सेना के शिविर पर आतंकी हमला : एक दिन पहले ही जम्मू कश्मीर के राजौरी में भारतीय सेना के शिविर पर आतंकवादी हमले का मामला सामने आया था। इस हमले में सेना का एक जवान घायल हो गया था। आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे थे।

कुलगाम में हुई थी गोलीबारी : दूसरी ओर रविवार (6 जुलाई) को लगातार दूसरे दिन मुठभेड़ हुई। मुदरघम और चिन्निगम फ्रिसल में अबतक 6 आतंकी मारे गए हैं। दो जवान शहीद हुए थे। सेना को लश्कर ग्रुप के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके बाद सुरक्षा बल उस क्षेत्र में पहुंच गए थे। दोनों तरफ से गोलीबारी हुई थी।

बार पर पुलिस का छापा

- बारबाला, ग्राहक सहित 14 गिरफ्तार
- बार में कम कपड़ों में ग्राहकों को लुभाने हेतु हो रही थी अश्लीलता

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी शहर व आस पास के क्षेत्रों में अश्लीलता फैलाने वाले बारों पर पुलिस की कार्यवाई निरंतर जारी है। नारपोली पुलिस ने पुनः एक बार वलगांव इलाके में चल रहे न्यू अप्सरा बार पर छापामार कर पुलिस ने महिला वेटर,ग्राहक सहित 14 लोगो को गिरफ्तार किया है।जो बार मालिक के इशारे पर ग्राहकों के साथ अश्लीलता कर रही थी।पुलिस द्वारा की गई छापामारी से अन्य बार संचालकों में हड़कंप मच गया है।

नोटिस देकर छोड़ा गया

नारपोली पुलिस के अनुसार, भिवंडी के ट्रांसपोर्ट बाहुल्य दापोड़ा इलाके के वलपाड़ा कंपाउंड में स्थित न्यू अप्सरा बार एंड रेस्टोरेंट में लेडीज वेटरों द्वारा नियम कानून को ताक पर रखकर अश्लीलता परोसे जाने के साथ ही देर रात तक बार चालू रखने की सूचना नारपोली पुलिस को मिली थी।जिसके बाद उक्त पुलिस ने 20 जून को रात 12.30 बजे उक्त बार पर छापामारी की।जहां पर कम कपड़ों में बारबालाओं द्वारा ग्राहकों के साथ अश्लील हरकत करती पाई गई।जिसके बाद पुलिस ने बार मैनेजर अरुण पांडे , 2 पुरुष वेटर, 5 महिला वेटर , 6 ग्राहक सहित 14 लोगों को हिरासत में लेकर उन पर भारतीय दंड संहिता की धारा 294, 34 के तहत मामला दर्जकर उन्हे गिरफ्तार किया। बाद में पुलिस ने सभी को सीआरपीसी 41(1)(अ) के तहत नोटिस देकर उन्हें छोड़ दिया।

जलगांव में विभागीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए मंत्रिमंडल की मंजूरी जल्दः दादाजी भुसे

मुंबई। जलगांव के मेहरुण में अतिरिक्त विभागीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए प्रदेश के खेल विभाग की ओर से राज्य मंत्रिमंडल के सामने मंजूरी के लिए प्रस्ताव जल्द रखा जाएगा। जलगांव में 240 करोड़ रुपए की लागत से 14.65 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त विभागीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। विधान परिषद में राज्य के कैबिनेट मंत्री दादाजी भुसे ने यह जानकारी दी।

सत्यजीत तांबे ने प्रलंबित होने के संबंध में पूछा था सवाल

सोमवार को प्रश्नकाल में सदन के निर्दलीय सदस्य सत्यजीत तांबे ने जलगांव में विभागीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का काम प्रलंबित होने के संबंध में सवाल पूछा था। इसके जवाब में भुसे ने कहा कि नियमों के अनुसार राज्य में विभागीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए 50 करोड़ रुपए दिया जाता है। लेकिन विशेष प्रस्ताव के तहत जलगांव के अतिरिक्त विभागीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स 240 करोड़ रुपए की परियोजना तैयार की गई है। इसलिए इस प्रस्ताव को उच्चाधिकारी प्राप्त समिति से मंजूरी मिलने के बाद इसको मंत्रिमंडल की बैठक में रखा जाएगा। भुसे ने कहा कि उत्तर महाराष्ट्र का विभागीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स नाशिक में है। धुलिया और नंदूरबार समेत आसपास जिलों के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए जलगांव में अतरिक्त विभागीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण जाएगा।

ओला चालक पर 20 दिन बाद दुर्घटना का केस दर्ज

कार की टक्कर से घायल पदयात्री की इलाज के दौरान हुई मौत

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

मुंबई-नाशिक हाइवे पर सड़क क्रास करने के दौरान ओला कार चालक ने सड़क क्रास कर रहे एक पदयात्री को टक्कर मार दी थी,जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।दुर्घटना के 20 दिन के बाद फरार चालक पर केस दर्ज कर पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है।

23 जून को हुई थी मृत्यु

पुलिस के अनुसार मुंब्रा के अमृतनगर निवासी आसबअली मोहीद्दीन मापारी (57) मुंबई नाशिक हाइवे पर भूमि वर्ल्ड के सामने 18 जून को रात 8 बजे रात को पैदल ही हाइवे क्रास कर रहे थे। इसी दौरान नाशिक की तरफ से तेजगति से आ रहे ओला कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इसके कारण सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोट लगने के कारण वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए यहां लाइफ लाइन प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया।जहां उनकी बिगड़ती हालत को देखकर उन्हें मुंबई के जेजे हॉस्पिटल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां पर इलाज के दौरान जीवन व मौत के बीच संघर्ष के दौरान 23 जून को उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही कोनगांव पुलिस 7 जुलाई को मृतक की लड़की आलिया मपारी की शिकायत पर अज्ञात ओला चालक पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर उसकी सरगर्मी से तलाश कर रही है।

पहाड़ी पर भूस्खलन, कोई हताहत नहीं

दोपहर संवाददाता । ठाणे

ठाणे में सोमवार दोपहर को एक पहाड़ी पर भूस्खलन के कारण चार मकानों से लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। नगर निकाय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि लोकमान्य नगर पाड़ा संख्या चार में अपराह्न एक बजकर 25 मिनट पर हुई घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

चार मकानों से 25 लोगों को निकाला गया

उन्होंने कहा, 'प्राधिकारियों को भूस्खलन की सूचना मिलने के तुरंत बाद राहत अभियान शुरू कर दिया गया। पहाड़ी के शेष हिस्से पर चार मकान और दो पेड़ खतरनाक स्थिति में हैं। हमने इन चार मकानों से 25 लोगों को निकाला और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।' तडवी ने कहा कि पूरे इलाके को सील कर दिया गया है और वरिष्ठ अधिकारी आगे की कार्रवाई के लिए घटनास्थल पर हैं।

वसई की 41 इमारतों को नहीं मिली कोर्ट से राहत

दोपहर संवाददाता । मुंबई/पालघर

बंबई उच्च न्यायालय ने पालघर जिले के वसई में उन 41 इमारतों को ध्वस्त किये जाने से कोई राहत देने से सोमवार को इनकार कर दिया जो ''अवैध और अनधिकृत'' हैं तथा सीवेज शोधन संयंत्र एवं कूड़ा जमा करने के लिए आरक्षित स्थल पर निर्मित की गयी हैं। हालांकि, न्यायमूर्ति एम एस सोनक और न्यायमूर्ति कमल खता की खंडपीठ ने इमारत में रह रहे फ्लैट मालिकों को परिसर खाली करने के लिए 30 सितंबर तक का समय दिया, जो उनके द्वारा इस संबंध में हलफनामा दाखिल करने पर निर्भर करेगा।

क्या है मामला ?

इस साल जून में पीठ ने इमारतों के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए था कि इस तरह के अवैध ढांचों के खिलाफ कार्रवाई करने में वसई विरार शहर महानगरपालिका के लिए कोई बाधा नहीं है। इसके बाद, महानगरपालिका ने कुछ ढांचों को ध्वस्त कर दिया और 41 अन्य इमारतों को ध्वस्त किये जाने का नोटिस जारी करते हुए उनमें रहने वाले लोगों को 24 घंटे के अंदर इन्हें खाली करने का निर्देश दिया। इन इमारतों में फ्लैट का स्वामित्व रखने वाले 15 लोगों ने सोमवार को उच्च न्यायालय का रुख कर इन्हें ध्वस्त किये जाने की कार्रवाई के खिलाफ राहत देने का अनुरोध किया। हालांकि, अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता इस बारे में साक्ष्य देने में नाकाम रहे हैं कि जिन इमारतों में वे रह रहे हैं उनका निर्माण प्राधिकारों से अनुमति प्राप्त करने के बाद किया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि फ्लैट मालिकों से बिल्डर ने धोखाधड़ी की होगी जिसके लिए वे उस व्यक्ति पर मुकदमा कर सकते हैं और क्षतिपूर्ति हासिल कर सकते हैं।

रेडियो क्लब के पास नई जेट्टी स्थापित करने एक महीने में मिलेगी मंजूरी

मुंबई। मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया के पास रेडियो क्लब के पास नई जेट्टी स्थापित की जाएगी। इस परियोजना के लिए एक महीने में सभी आवश्यक मंजूरी मिल जाएगी। इससे नई जेट्टी से कोंकण के विभिन्न इलाकों में जल परिवहन की सुविधा शुरू हो सकेगा। विधान परिषद में राज्य के कैबिनेट मंत्री दादाजी भुसे ने यह आश्वासन दिया है। सदन में प्रश्नकाल के दौरान शेकाप के सदस्य जयंत पाटील और शिवसेना (उद्धव) के सदस्य सचिन अहिर ने रायगड के अलीबाग के रेवस बंदरगाह पर जेट्टी के निर्माण काम पूरा होने के संबंध में सवाल पूछा था।

टेंपो सहित 38 लाख का प्रतिबंधित गुटखा बरामद

- 2 आरोपी गिरफ्तार क्राइम ब्रांच पुलिस ने की छापामारी

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी क्राइम ब्रांच पुलिस ने स्थानीय बागे फिरदौस मस्जिद के पीछे एक फ्लैट में छापा मारकर टेंपों सहित 38 लाख 26 हजार 900 रूपये कीमत के प्रतिबंधित जब्त की है। क्राइम ब्रांच पुलिस की शिकायत पर निजामपुर पुलिस ने 2 लोगो के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर उन्हे गिरफ्तार कर लिया है, जो शहर में गुटखे की सप्लाई करते थे।

फ्लैड से किया जाता था गुटखे की सप्लाई

पुलिस के अनुसार भिवंडी क्राइम ब्रांच पुलिस अधिकारियों को मुखबिर द्वारा गुप्त जानकारी मिली थी कि बागे फिरदौस मस्जिद के पीछे बड़ी मात्रा में गुटखा की बिक्री की जाती हैजहां पर टेंपो में भरकर प्रतिबंधित गुटखा आने वाला है। उक्त सूचना पर क्राइम ब्रांच पुलिस ने 6 जुलाई की शाम 5 बजे जाल बिछाकर टेपों में भरकर लाया गया बिमल, केतन, एस.ए.के. व सिग्नेचर आदि ब्रांडेड गुटका और तंबाकू सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिबंधित गुटखा की एक बड़ी खेप पकड़ ली। जब्त किए गए माल की कीमत टेंपों सहित गुटखा की कुल कीमत 38,26,900 रूपये है। इस मामले में क्राइम ब्रांच के पुलिस सिपाही सागर सुरेलकर की शिकायत पर अब्दुला इसाउद्दीन खान व तौसिफ खान पर भारतीय न्याय संहिता,अन्न सुरक्षा कायदा सहित विभिन्न धाराओं के तहत केएस दर्ज कर दोनो को 7 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया है, जो प्रतिबंधित गुटखे को शहर व आस पास के क्षेत्रों में सप्लाई करते थे। इसकी आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक विकास सूर्यवंशी कर रहे हैं। गौरतलब है कि भिवंडी शहर व आसपास ग्रामीण परिसर में प्रतिबंधित गुटखा,सुगंधित सुपारी,तंबाकू की बिक्री बड़े पैमाने पर की जाती है। पुलिस प्रशासन के आलावा एफडीए विभाग आऐ दिन छापेमारी कर लाखों रूपये कीमत के गुटखा जब्त करती रही है। इसके बावजूद शहर में अवैध रूप से प्रतिबिंबित गुटखा व तंबाकू बिक्री पर अंकुश नहीं लग सका है।

महिला को ऑटो ने मारी टक्कर

दोपहर संवाददाता । बदलापुर

राज्य सरकार मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के महिलाओं व युवतियों के लिए लाए गए योजना माझी लाड़की बहिन का बैनर देख रही महिला को रिक्शा ने ठोकर मार दी, जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गई। घायल महिला को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

'माझी लाड़की बहिन' योजना का बैनर देख रही थी महिला

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बदलापुर पश्चिम के चिंतामणि चौक, मंजिरी हाइट्स की रहने वाली स्नेहा राहुल राठौर (30) वर्षीय अपनी सास गोदादेवी राठौड़ (59) के साथ घर का सामान लेने बाजार जा रही थी। की आनंद हॉल के गेट पर 'माझी लाड़की बहिन' योजना का पोस्टर लगा हुआ था, जिसे रुककर स्नेहा की सास गोदादेवी पढ़ने लगीं, जबकि उनकी बहू आगे निकल गई। इसी बीच, बदलापुर स्टेशन की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार ऑटो रिक्शा ने गोदादेवी को जोरदार ठोकर मार दी। इस दुर्घटना में वृद्ध महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं और उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया गया। बदलापुर पुलिस ने गणेश पाटिल नामक रिक्शा चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू सहायक पुलिस निरीक्षक हुम्बे कर रहे हैं।

पैदल जा रही महिला के साथ चेन स्नेचिंग

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के कनेरी इलाके में कल सुबह दो अज्ञात मोटर साइकिल स्वरों ने पैदल जा रही एक महिला के गले से सोने की चैन छीन कर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार गैरीपाड़ा इलाके की एक 60 वर्षीय महिला पुष्पा रामचंद्र जाधव शनिवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे कनेरी इलाके से पैदल फुल की बिक्री करने के लिए जा रही जैसे ही वह महिला पायल टाकीज स्थित मेयर हॉस्पिटल के पास पहुंची तभी दो मोटर साइकिल सवार बजाज कंपनी की पल्सर बाइक पर सवार होकर आए। गाड़ी पर पीछे बैठे व्यक्ति ने महिला के गले से 40 हजार रूपये कीमत की 25 ग्राम वजन की सोने की चैन छीन कर धामनकर नाका की ओर फरार हो गए है। महिला की शिकायत पर शहर पुलिस स्टेशन ने दोनो अज्ञात लुटेरों के खिलाफ भारती न्याय संहिता की धारा 309 (4द), 3 (5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित महिला ने दोनो अज्ञात लुटेरों का हुलिया कुछ इस तरह बताया है की बाइक बार आगे बैठे शख्स की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष थी, जो काले रंग का रेनकोट और हेलमेट पहने हुए था। पीछे बैठा व्यक्ति सिल्वर कलर का रेनकोट पहने हुए था उसकी भी उम्र तकरीबन 25 से 30 warah होगी। पुलिस इन दोनो चैन स्नैचरों की सरगर्मी से तलाश कर रही है। जिसके आगे की कार्रवाई पुलिस उपनिरीक्षक रविंद्र पाटील कर रहे है।

प्रदेश में नए 8 हजार 84 आंगनवाड़ी को मंजूरी देने के लिए केंद्र को भेजा प्रस्तावः अदिती तटकरे

नितिन तोरस्कर । मुंबई

प्रदेश सरकार के महला व बालविकास विभाग ने महाराष्ट्र में 8 हजार 84 आंगनवाड़ी केंद्र स्थापित करने के लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के पास प्रस्ताव भेजा है। केंद्र सरकार से जल्द ही नई आंगनवाड़ी केंद्रों को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। विधान परिषद में राज्य की महिला व बालविकास मंत्री अदिती तटकरे ने यह जानकारी दी। प्रश्नकाल में भाजपा सदस्य भाई गिरकर ने भंडारा में स्मार्ट आंगनवाड़ी केंद्र बनाने के काम में अनियमतिता को लेकर सवाल पूछा था। इस पर जवाब के दौरान अदिती ने कहा कि मैंने केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मिलकर नए आंगनवाड़ी केंद्रों को मंजूरी देने का आग्रह किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार महाराष्ट्र में नए आंगनवाड़ी केंद्रों को स्थापित करने के लिए मंजूरी देने को लेकर सकारात्मक है। आदिती ने कहा कि मुंबई के

जिन इलाकों में आंगनवाड़ी केंद्र शुरू करने के लिए किराए पर भी इमारत में उपलब्ध नहीं है, ऐसे इलाकों में कंटेनर में आंगनवाड़ी केंद्र शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा अधिक झोपड़पट्टी इलाकों की बस्तियों में एसआरए की इमारतों में आंगनवाड़ी केंद्र शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुंबई में 5 हजार 147 आंगनवाड़ी केंद्र हैं। मुंबई में महिला व बालविकास विभाग के केवल 25 प्रतिशत आंगनवाड़ी केंद्र हैं। जबकि बाकी आंगनवाड़ी केंद्र मुंबई मनपा चलाती है।

किराए के इमारतों में चल रहे 16 हजार 885 आंगनवाड़ी केंद्र

अदिती ने बताया कि राज्य में 1 लाख 10 हजार 556 आंगनवाड़ी केंद्र शुरू हैं। जिसमें से 72 हजार 369 आंगनवाड़ी केंद्र सरकारी इमारतों में शुरू है। जबकि 38 हजार 187 आंगनवाड़ी केंद्र किराए के इमारतों में शुरू हैं। पिछले तीन सालों में 16 हजार 885 आंगनवाड़ी केंद्रों को स्मार्ट आंगनवाड़ी के रूप में रूपांतरित कर दिया गया है। स्मार्ट आंगनवाड़ी नीति के तहत जो आंगनवाड़ी केंद्र सरकारी इमारतों में शुरू हैं। केवल उन्हीं को स्मार्ट आंगनवाड़ी केंद्र बनाया जाता है। जो आंगनवाड़ी केंद्र किराए की जमीन पर चल रहे हैं उन आंगनवाड़ी केंद्रों को स्मार्ट नहीं बनाया जा रहा है। अदिती ने कहा कि केंद्र सरकार की नई शैक्षणिक नीति के तहत आंगनवाड़ी सेविकाओं को बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान सदन में विपक्ष के अंबादास दानवे, शिवसेना (उद्धव) के सुनील शिंदे और शेकाप के सदस्य जयंत पाटील ने सवाल पूछा था।

भंडारा में 1417 आंगनवाड़ी केंद्र शुरू

अदिती ने बताया कि भंडारा जिले में 1417 आंगनवाड़ी केंद्र शुरू है। जिसमें से 1248 आंगनवाड़ी केंद्र सरकारी इमारतों में शुरू है। जबकि बाकी 169 आंगनवाड़ी केंद्र किराए की इमारत पर चल रहे हैं। अदिती ने बताया कि भंडारा में सरकारी इमारतों में चल रहे 475 आंगनवाड़ी केंद्रों को स्मार्ट बनाया गया है। जबकि शेष 503 आंगनवाड़ी केंद्रों को अगले तीन सालों में स्मार्ट आंगनवाड़ी केंद्र के केंद्र में रुपांतरित किया जाएगा।

588 में से केवल 75 जलापूर्ति योजनाओं का काम हो सका पूरा

पालघर। पालघर में जल जीवन मिशन के तहत जिला परिषद के माध्यम से 562 और महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के जरिए 26 कुल मिलाकर 588 जलापूर्ति योजनाओं को मंजूरी मिली है। जिसमें से केवल 75 जलापूर्ति योजनाओं का काम पूरा हो गया है। जबकि 513 जलापूर्ति योजनाओं का काम दिसंबर 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है। प्रदेश के जलापूर्ति व स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटील ने यह जानकारी दी। विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान शिवसेना (शिंदे) की सदस्य मनीषा कायंदे ने जलापूर्ति योजनाओं के काम प्रलंबित होने के बारे में सवाल पूछा था। इसके जवाब में पाटील ने कहा कि कर्मचारियों की कमी होने के कारण जलापूर्ति योजनाओं के काम में थोड़ी देरी हो रही है।

लेकिन दिसंबर तक जलापूर्ति योजनाओं का काम पूरा होने के बाद अगले साल फरवरी महीने में पीने के पानी के लिए टैंकर की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इस बीच पाटील ने कहा कि केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन के तहत 85 प्रतिशत गांवों में घरों से नल का कनेक्शन उपलब्ध हो गया है।

दो बजे
दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार विचार कभी भी जीवन की गति को नहीं पकड़ सकता : यूजी कृष्णमूर्ति

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव

पवार-उद्धव ने संभाला मोर्चा

कांग्रेस मिलिंद नार्वेकर को देगी अपना अतिरिक्त वोट

दीपक पवार | मुंबई

विधान परिषद चुनाव के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बड़े उलट-फेर के संकेत मिल रहे हैं। राजनीतिक हलकों से मिल रही जानकारी के अनुसार, विधान परिषद चुनाव में बड़ा राजनीतिक खेला होने जा रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मोर्चा संभाल लिया है। विधानसभा में संख्या बल के हिसाब से बीजेपी को अपने सभी 5 उम्मीदवारो की जीत के लिए कम कम से 115 वोट चाहिए। मौजूदा समय में बीजेपी के पास उसके 103 विधायक हैं। इसके अलावा उसे 9 अन्य छोटे दलों और निर्दलीयों का समर्थन प्राप्त है।

विधान परिषद का चुनाव गुप्त मतदान के जरिए होता है और एक प्रत्याशी को जीतने के लिए प्रथम वरीयता के कम से कम 23 वोट चाहिए। इस हिसाब से बीजेपी को और तीन विधायकों की जरूरत है। इसलिए बीजेपी अपने प्रत्याशियों के लिए कुछ अतिरिक्त वोट के जुगाड़ में लगी हुई है। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इसके लिए पूरी फिल्डिंग लगाए हुए हैं। कांग्रेस के पास 38 विधायकों का समर्थन है। कांग्रेस के भीतर ऐसी आशंका है कि उसका एक विधायक क्रॉस वोटिंग कर सकता है। ऐसे में उसके पास 37 विधायकों के वोट मिलेंगे कोटा के हिसाब से उसका उम्मीदवार भी आसानी से चुनाव जीत जाएगा, हालांकि कांग्रेस भी कोई रिस्क लेना नहीं चाहती है। इसलिए अपने उम्मीदवार के लिए 30 का कोटा निर्धारित करेगी।

क्रॉस वोटिंग हुई तो शिंदे को नुकसान

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में क्रॉस वोटिंग नहीं हुई तो उसके भी दोनों उम्मीदवार जीत सकते हैं। मौजूदा विधानसभा में निर्दलीय सहित शिंदे की शिवसेना के 38 विधायक हैं और लगभग 10 निर्दलीय विधायकों का समर्थन उन्हें प्राप्त है। उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की राकां ने भी अपने दो उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। अजीत की पार्टी के पास 40 विधायक है। अघोषित तौर पर कांग्रेस का एक विधायक अजीत के पाले में आ चुका है। फिर भी दोनों प्रत्याशियों की जीत के लिए कम से कम 46 वोट चाहिए। अर्थात जीत के आंकड़े तक पहुंचने के लिए अन्य 5 विधायकों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। उद्धव ठाकरे ने अपने करीबी मिलिंद नार्वेकर को चुनाव मैदान में उतारा है। राजनीतिक हलकों में कहा जा रहा है कि यह चुनाव मिलिंद नहीं बल्कि उद्धव लड़ रहे हैं। उद्धव की पार्टी के 15 विधायक हैं। महाविकास आघाडी में बनी रणनीति के अनुसार, कांग्रेस अपना अतिरिक्त वोट नार्वेकर को देगी। इसमें मिलिंद की जीत की संभावना है, हालांकि उद्धव शिवसेना का दावा है के शिंदे गुट के कई विधायक उनके संपर्क में है।

बड़ा खेला होने की संभावना

लोकसभा चुनाव में जिन विधायकों के क्षेत्र में महायुति को झटका लगा है, वे विधायक अगला चुनाव महाविकास आघाडी के समर्थन से लड़ना चाहते हैं। उद्धव ठाकरे से रिश्ता सुधारने का यह सुनहरा अवसर है। शिंदे की शिवसेना के खिलाफ क्रॉस वोटिंग कर उद्धव का समर्थन करते हैं, तो शायद वापस उन्हें मातोश्री का आशीर्वाद प्राप्त हो जाए। नार्वेकर के मैदान में उतरने से भी एक बड़ा खेला होने की संभावना है। उद्धव के करीबी होने के बावजूद मिलिंद के सभी दलों के बड़े नेताओं से बहुत मधुर रिश्ते हैं, उन्हें इसका भी लाभ मिल सकता है।

जयंत पाटिल पर सभी की नजरें

शेतकरी कामगार पक्ष नेता जयंत पाटील अलग करिश्माई नेता हैं। पहले उनकी पार्टी के 3 या 4 विधायक चुनकर आते रहे थे लेकिन लंबे अर्से से सदन में उनके एक भी विधायक नहीं हैं। इसके बावजूद वे विधान परिषद के सदस्य हैं। इस बार के चुनाव में जयंत पाटिल को शरद पवार ने समर्थन दिया है। पवार की पार्टी के 12 विधायक है।

जयंत को जीत के लिए कम से कम 11 और विधायकों का समर्थन चाहिए। सूत्रों के अनुसार, पवार ने महाविकास आघाडी के नेताओं से दूसरी वरीयता के वोट का समर्थन मांगा है। उनके दल के एक बड़े नेता ने बताया कि इस बार के चुनाव में असली खेला अजीत पवार की पार्टी में होने जा रहा है। आघाडी के तीनों प्रत्याशियों की जीत होगी। अजीत के कम से कम 10 विधायक इस चुनाव में क्रॉस वोटिंग करेंगे।

महायुति ने 9 और एमवीए ने तीन उम्मीदवार उतारे

महायुति ने अपने नौ उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। जिसमें बीजेपी के पंकजा मुंडे, सदाभाऊ खोत, अमित गोरखे, परिणय फुके और योगेश टिलेकर शामिल है। जबकि, शिवसेना (शिंदे गुट) के कृपाल तुमाने, भावना गवली और एनसीपी (अजीत पवार) के शिवाजीराव गर्जे, राजेश विटेकर को टिकट मिला है।महाविकास अघाड़ी (एमवीए) ने तीन नेताओं को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने प्रज्ञा राजीव सातव, शिवसेना (उद्धव गुट) ने मिलिंद नार्वेकर को टिकट दिया है। वहीं, शरद पवार गुट ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारा है। उसने शेतकरी कामगार पक्ष (शेकाप) के जयंत पाटिल का समर्थन किया है।

विधानसभा में 274 सदस्य

वर्तमान में महाराष्ट्र विधानसभा में 274 सदस्य है। इनमे सबसे ज्यादा बीजेपी के 103, एनसीपी (अजीत पवार) के 40, शिवसेना (शिंदे गुट) के 38, कांग्रेस के 37, शिवसेना (उद्धव गुट) के 15, एनसीपी (शरद पवार) के 12, प्रहार जन शक्ति के 2 विधायक है। जबकि, 27 निर्दलीय विधायक है।

बीएमडब्ल्यू 'हिट-एंड-रन' मामला

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया शिवसेना नेता

दोपहर संवाददाता | मुंबई

मुंबई की एक अदालत ने बीएमडब्ल्यू 'हिट-एंड-रन' मामले में शिवसेना नेता राजेश शाह को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दुर्घटना के समय उनका बेटा कथित तौर पर गाड़ी चला रहा था जो फरार है। पुलिस ने बताया कि शिवसेना नेता का बेटा मिहिर शाह (24) कथित तौर पर बीएमडब्ल्यू कार चला रहा था जिसने रविवार सुबह मुंबई के वर्ली इलाके में एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी और इस हादसे में बाइक पर सवार कावेरी नखवा (45) की मौत हो गई, वहीं उनके पति प्रदीप घायल हो गए।

शाह का ड्राइवर राजर्षि बिदावत भी आरोपी

मामले में शाह का ड्राइवर राजर्षि बिदावत भी आरोपी है। उसे मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (सीवरी अदालत) एस पी भोसले ने मंगलवार तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। कार के मालिक राजेश शाह हैं और दुर्घटना के समय बिदावत कार में मिहिर के साथ था। दोनों को दुर्घटना के बाद मिहिर को भागने में मदद करने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया और उन्हें सोमवार को अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने तीनों पर कई आरोपों के तहत मामला दर्ज किया है।हालांकि, अदालत ने इस बात का संज्ञान लिया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) राजेश शाह पर लागू नहीं होती। शाह पालघर जिले में सत्तारूढ़ शिवसेना के नेता हैं। अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया और उनके चालक को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

मिहिर अब भी फरार

मिहिर अब भी फरार है और पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के लिए छह दल बनाए हैं। मिहिर को विदेश भागने से रोकने के लिए लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया गया है। कावेरी नखवा रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे एनी बेसेंट रोड पर अपने पति प्रदीप के साथ दुपहिया वाहन से जा रही थीं, तभी बीएमडब्ल्यू कार के चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और उन्हें टक्कर मार दी।

बीजेपी का बाहरियों से भरोसा टूटा

कैडर के भरोसे बन रही विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति

धीरज सिंह | मुंबई

लोकसभा चुनाव में हुई करारी हार के बाद बीजेपी के नेता सदमे में हैं। केंद्रीय प्रभारी केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव हार के कारणों से सबक लेते हुए आगामी विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। बीजेपी का अन्य दलों से आए नेताओं से भरोसा धीरे धीरे उठने लगा है, लिहाजा पार्टी अब अपने पुराने कैडर के भरोसे चुनाव मैदान में उतरेगी। सूत्रों के अनुसार पार्टी के नेता हार के लिए भले ही अलग अलग कारण गिना रहे हैं, लेकिन कोर कमेटी के अधिकांश नेताओं का मानना है कि बाहरियों पर भरोसा करना पार्टी की सबसे बडी भूल है। लोकसभा चुनाव में हार के कई और भी कारण हैं, लेकिन एक बड़ी वजह अपने कैडर को साइड लाइन कर दूसरे दल से आए नेताओं के हाथों में नेतृत्व सौंपना है। उनके कारण नंबर वन की पार्टी कांग्रेस से पीछे होकर दूसरे तीसरे स्थान पर चली गयी।

मोदी मैजिक और सर्वे का खेल फेल

लोकसभा चुनाव में पार्टी की कई गलतफहमियां दूर हुई हैं। बीजेपी के हर उम्मीदवारों को इस बात का घमंड था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मैजिक के भरोसे उनकी जीत पक्की है, लेकिन रिजल्ट ने सब की गलतफहमी दूर कर दी है। मोदी की महाराष्ट्र में 19 रैली हुई थी, इसमें महायुति 17 सीटों पर चुनाव हार गयी। इसमें चिंता की बात यह है कि अधिकांश सीटों पर बीजेपी उम्मीदवारों को कांग्रेसियों ने हराया है। बीजेपी का ग्राफ गिरना और कांग्रेस का ग्राफ बढ़ना, यह पार्टी के लिए खतरनाक साबित हुआ है। निजी एजेंसियों और सरकारी एजेंसियों के सर्वे भी फेल साबित हुए है। एग्जिट पोल की तरह बीजेपी के आंतरिक सर्वे और निजी एजेंसियों ने 35 प्लस का आंकड़ा दिया था। बीजेपी को अकेले 20 सीट जीतना बताया गया था, लेकिन 27 सीट लडकर बीजेपी सिंगल डिजिट यानी 9 सीट पर पहुंच गयी। बीजेपी उद्धव ठाकरे की पार्टी के बराबर आकर खडी हो गयी। कोर कमेटी के नेता इसको लेकर भी चिंतित है। उनका मानना है कि जमीनी हकीकत से दूर इन एजेंसियों की रिपोर्ट से पार्टी को भारी नुकसान हुआ है।

महाराष्ट्र विस चुनाव महत्वपूर्ण

अक्टूबर नवंबर में देश में तीन राज्यों महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड विधानसभा चुनाव होने हैं। हरियाणा और महाराष्ट्र में बीजेपी की सरकार है। झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा के हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री है। लोकसभा चुनाव के वक्त सोरेन जेल में थे। इसके बावजूद राज्य की सभी 5 आदिवासी सीटें इंडिया गठबंधन जीत गया। अब सोरेन बाहर आ गए हैं। आदिवासियों के बीच पनपी सहानुभूति के बीच होने वाले चुनाव में बीजेपी को सफलता मिलेगी, इसमें संदेह है। हरियाणा की स्थिति पार्टी के लिए अनुकूल नहीं है। ऐसे में महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव बीजेपी के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इंडिया गठबंधन के मुकाबले यदि हार का सामना करना पडा तो,राज्य तो जाएगा ही,केंद्र की सरकार भी हिलने लगेगी। इसलिए किसी भी सूरत में बीजेपी महाराष्ट्र की सत्ता पर दोबारा कब्जा चाहती है।

पार्टी की दुर्गति से संघ चिंतित

राष्ट्रीय स्वयं संघ भी महाराष्ट्र में हुई पार्टी की दुर्गति से चिंतित है। संघ का मानना है कि किराए के घोड़े से रेस में जाने से अच्छा है अपने कैडर पर भरोसा कर चुनाव लड़ना चाहिए। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में बिना शिवसेना से गठबंधन 123 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कैडर पर भरोसा और समन्वय से चुनाव में उतरा जाए तो, सत्ता की वापसी हो सकती है।

26 सप्ताह के गर्भ को नष्ट करने की अनुमति देने से इनकार

दोपहर संवाददाता | मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने 'न्यायिक अंतरात्मा' का हवाला देते हुए 28 वर्षीय एक महिला को 26 सप्ताह का गर्भ नष्ट करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अदालत ने रेखांकित किया कि ऐसे मामलों में महिलाओं को मिलने वाले सामाजिक दंड का समान हिस्सा जैविक पिता को देने के लिए कोई तंत्र नहीं है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि जब वह अपने अलग रह रहे पति से तलाक की प्रक्रिया में थी तभी वह अपने मित्र से गर्भवती हो गई। न्यायमूर्ति एस.एस.गडकरी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने याचिकाकर्ता जैसी महिलाओं के सामने आने वाली कठिन परिस्थितियों पर दुख व्यक्त किया और जैविक पिता की समान जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी तंत्र की कमी को रेखांकित किया। पीठ ने कहा कि उसकी ''न्यायिक अंतरात्मा'' उसे गर्भपात की अनुमति देने की अनुमति नहीं देती है। अदालत ने कहा कि गर्भपात के अनुरोध के पीछे मुख्य कारण ''सामाजिक कलंक'' प्रतीत होता है।

24 सप्ताह से अधिक भ्रूण को नष्ट करने के लिए कोर्ट की मंजूरी जरुरी

महिला ने 'अवांछित' गर्भ को नष्ट करने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। याचिका के अनुसार, उसकी चार साल की बेटी है और वह अपने अलग हुए पति से तलाक की प्रक्रिया से गुजर रही है। महिला एक दोस्त के साथ रिश्ते में है, जिसके साथ वह गर्भवती हुई। पीठ ने कहा कि वह याचिकाकर्ता की प्रजनन स्वतंत्रता, अपने शरीर पर स्वायत्तता और उसकी पसंद के अधिकार के प्रति सचेत है लेकिन मेडिकल बोर्ड ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस अवस्था में गर्भपात उसके लिए अनुकूल नहीं है। गर्भ का चिकित्सीय समापन अधिनियम के प्रावधानों के तहत 24 सप्ताह से अधिक भ्रूण को नष्ट करने के लिए अदालत की मंजूरी लेनी होती है।

दो नवनिर्वाचित विधान पार्षद ने शपथ ली

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद के दो नवनिर्वाचित सदस्यों ने सोमवार को शपथ ली। नासिक शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित किशोर दराडे भारी बारिश के कारण शपथ ग्रहण समारोह के लिए मुंबई नहीं पहुंच सके। विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरहे ने भाजपा के निरंजन दावखरे और शिवसेना (यूबीटी) के जगन्नाथ मोतीराम अभ्यंकर को शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि शिवसेना के किशोर दराडे अपने क्षेत्र में भारी बारिश के कारण शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित नहीं हो सके। डावखरे कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद के लिए तीसरी बार निर्वाचित हुए जबकि पूर्व नौकरशाह अभ्यंकर ने मुंबई शिक्षक सीट से जीत हासिल की।

सलमान खान के घर गोलीबारी का मामला

मुंबई क्राइम ब्रांच ने 'मकोका' कोर्ट में दायर की चार्जशीट

दोपहर संवाददाता | मुंबई

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के घर पर फायरिंग केस में आरोपियों के खिलाफ मुंबई क्राइम ब्रांच ने 'मकोका' कोर्ट में चार्जशीट दायर की है। इस केस में अप्रैल में 'मकोका' लगाया गया था। जबकि अब इसके तहत चार्जशीट दायर की गई है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अब तक अरेस्ट किए गए आरोपियों के साथ ही लॉरेंस बिश्नोई और अनमोल बिश्नोई के खिलाफ भी चार्जशीट दायर की है।

क्या है मकोका ?

सबसे पहले आपको बता दें कि आखिर मकोका (MCOCA) होता क्या है। MCOCA का फुल फॉर्म है 'महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट' है। इस कानून की विशेषता यह है कि जब तक केस की जांच पूरी नहीं हो जाती तब तक आरोपी को सलाखों के पीछे ही रहना पड़ता है। आरोपी को इससे पहले जमानत नहीं दी जाती है। साल 1999 में महाराष्ट्र सरकार अंडरवर्ल्ड के बढ़ते क्राइम के चलते यह कानून लाई थी। महाराष्ट्र के अलावा दिल्ली में भी इस कानून को फॉलो किया जाता है।

क्या है पूरा मामला?

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट पर बाइक सवार दो शूटर्स ने 14 अप्रैल 2024 को सुबह करीब पांच बजे फायरिंग की थी। बताया जाता है कि एक्टर के घर पर 5 राउंड फायरिंग हुई थी। इसके बाद आरोपी गिरफ्तारी के डर से आगे जाकर बाइक छोड़कर फरार हो गए थे।

गुजरात से अरेस्ट हुए थे दोनों शूटर्स

सलमान खान के घर पर फायरिंग की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने ली थी। वहीं पुलिस ने फायरिंग करने वाले दोनों शूटर्स को गुजरात से गिरफ्तार किया था। दोनों शूटर्स की शिनाख्त विक्की गुप्ता (24) और सागर पाल (21) के रूप में हुई। हथियार मुहैया कराने के आरोप में अनुज थापर को भी अरेस्ट किया था।

संपादकीय

कुदरत का कोहराम

मानसून की दस्तक के साथ ही हिमाचल व उत्तराखंड में दरकते पहाड़ व रौद्र रूप दिखाती नदियां चिंता बढ़ाने वाली हैं। कुदरत के कहर के सामने इंसान बौना ही नजर आता है। तमाम मुख्य नदियां उफान पर हैं। जगह-जगह भूस्खलन से सड़कें ठप पड़ी हैं। हिमाचल में मूसलाधार बारिश के बीच मलबा व पत्थर गिरने से सैकड़ों सड़कें बंद हो गई हैं। सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। पहले हम गर्मी से त्रस्त होकर बारिश की आस लगाए होते हैं, लेकिन जब बारिश आती है तो स्थितियां डराने वाली हो जाती हैं। निस्संदेह ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। बारिश कम समय में ज्यादा मात्रा में बरसती है। जिससे न केवल पहाड़ों में कटाव बढ़ जाता है बल्कि पानी के साथ भारी मात्रा में मलबा गिरकर रास्तों व पानी के प्राकृतिक मार्गों को अवरुद्ध कर देता है। यह संकट इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि हमने पहाड़ों को विलसिता का केंद्र बना दिया है। तीर्थाटन अब पर्यटन जैसा हो गया है। पर्यटकों के वाहनों से छोटी सड़कें और पुल दबाव में हैं। नीति-नियंताओं ने पहाड़ों में सड़कों को फोर लेन-सिक्स लेन बनाने का जो उपक्रम किया है, उससे पहाड़ों का नैसर्गिक वातावरण खतरे में है। पहाड़ों के किनारे काटने से भूस्खलन की गति तेज हुई है। गाहे-बगाहे पहाड़ों का मलबा सड़कों पर गिरकर यातायात को अवरुद्ध कर देता है। यात्रियों के जीवन पर हर समय संकट बना रहता है। हिमाचल की ही तरह से कुदरत के कोहराम से उत्तराखंड भी बुरी तरह त्रस्त है। भागीरथी, अलकनंदा, मंदाकिनी व पिंडर आदि नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। चारधाम यात्रा मार्ग पर मलबा गिरने की घटनाएं बढ़ने से यात्रा कुछ समय के लिये स्थगित की गई है। बार-बार भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया जा रहा है। जगह-जगह सड़कों के कटने से सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। कई गांवों को जोड़ने वाली सड़कें बह गई हैं। बादल फटने की आशंका भी लगातार बनी रहती है। बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री जाने वाले मार्ग जगह-जगह बाधित हैं। भारी बारिश की आशंका को देखते हुए स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टियां घोषित की गई हैं। सामान्य जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कई मोटरमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हुए हैं। कई छोटे पुल बह गए हैं। कई निचले स्थानों से लोगों को हटाया गया है। कुल मिलाकर लाखों लोगों को अतिवृष्टि ने बंधक बना दिया है। निश्चित रूप से तेज बारिश और उसके प्रभाव इंसानी नियंत्रण से बाहर होते हैं। लेकिन इसके बावजूद पहाड़ी इलाकों में विकास के मॉडल पर नये सिरे से विचार करने की जरूरत है। पहाड़ अध्यात्म के केंद्र भी रहे हैं, उन्हें पर्यटकों की विलसिता का केंद्र नहीं बनाया जाना चाहिए। हमें अपेक्षाकृत नये हिमालयी पहाड़ों और उसके परिस्थितिकीय तंत्र के प्रति संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। ज्यादा मानवीय हस्तक्षेप से ग्लेशियर पिघल रहे हैं और नदियों का बढ़ा जल संकट का कारण भी बन रहा है।

क्या जन आकांक्षाओं की कसौटी पर खरे उतरे राहुल ?

ज्योति मल्होत्रा

'पप्पू', वह विशेषण जो सत्ताधारी भाजपा पिछले कई बरसों से राहुल गांधी का मखौल उड़ाने के लिए बरतती आई है, क्या उसने जन-अपेक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, जैसा कि अब हम जान चुके हैं, अच्छे नंबरों से। अलबत्ता, ये अंक पिछले जमाने के पैमाने- 'फर्स्ट-क्लास-फर्स्ट' या 'विशेषज्ञतापूर्ण' (डिस्टिंक्शन) या फिर 'फ्लाइंग कलर' (बहुत बढ़िया) जितने नहीं है, वरना हालिया चुनाव के बाद केंद्र में सरकार कांग्रेस की या कहिए 'इंडिया' गठबंधन की होती। हां, अंक इतने जरूर हैं कि 18वीं लोकसभा में अंतर ला सकें– बाकी देश में भी।

मौजूदा लोकसभा के आरंभिक किंतु लघु सत्र में दिया राहुल गांधी का पहला भाषण, जिसमें उन्होंने अनेकानेक भगवानों एवं संतों का संदर्भ देकर उदाहरण गिनाए– शिव से लेकर गुरु नानक एवं जीसस क्राईस्ट तक– जिसके जरिए उन्होंने हिंदू धर्म की 'समावेशी आत्मा' और हालिया वर्षों में भाजपा द्वारा बरते जा रहे अधिक कट्टरता वाले हिंदुत्व के बीच अंतर को उजागर करना चाहा और संसद में इसकी जरूरत वाकई लंबे समय से थी। इसी बीच, तृणमूल कांग्रेस की तेज-तर्रार नेत्री महुआ मोइत्रा का अपने संबोधन में पैब्लो नेरूदा और पुनीत शर्मा के उदाहरणों का इस्तेमाल (तुम कौन हो बे, मुझे पूछते हो, इस देश से मेरा रिश्ता कितना गहरा है) 'डर से निजात' को जतलाने के मकसद से था, जिसके लिए उन्होंने जोर देकर कहा, यह अब देश में पैदा हुए नए जज़्बे का उद्घोष है।

बड़ी बात यह कि न तो चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी ने और न ही नीतीश कुमार के जदयू ने -जिनकी बैसाखी पर प्रधानमंत्री मोदी की सरकार टिकी हुई है- ज्यादा हो-हल्ला किया, मानो उन्हें ज़रा परवाह नहीं। लगता है नायडू और नीतीश, दोनों को, भली-भांति पता है –नीतीश के गिरते स्वास्थ्य की अफवाहों के बावजूद- चोट मारने का यही सही वक्त है, जब लोहा गर्म है। अर्थात्, यही समय है जब केंद्र सरकार से अपने-अपने सूबे की हालत सुधारने के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता ले सकें, भले ही इसके लिए 'विशेष राज्य' का दर्जा मिले न मिले। नायडू, जिनके 16 सांसद एनडीए के लिए बहुमूल्य हैं, विशेष तौर पर उन्हें अपनी नव-अर्जित शक्ति का भान है। चूंकि वे पहले भी कई राजनीतिक दलों के साथ गठजोड़ कर चुके हैं लिहाजा दलबदलू के ठप्पे की परवाह नहीं है, बतौर मोदी का सहयोगी, उनका मंतव्य अपने लिए अधिक से अधिक फायदा पाना है। इस सिलसिले में उन्होंने गत वीरवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री के अलावा छह केंद्रीय मंत्री– अमित शाह, नीतिन गडकरी, पीयूष गोयल, शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, और हरदीप पुरी– से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को उनके सूबे के मुद्दों पर 'समयबद्ध ध्यान' देने के लिए राज्य सरकार के अफसरों के साथ एक 'प्रभावशाली समन्वय' तंत्र बनाना चाहिए– इन विषयों में, प्रस्तावित नई राजधानी अमरावती के लिए रिंग रोड की मांग से लेकर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से आगामी बजटीय भाषण में आंध्र प्रदेश में नई तेल रिफाइनरी लगाए जाने की घोषणा करवाना शामिल है।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नायडू कितना धन मांग रहे हैं। किसी का कहना है कि 1 लाख करोड़ रुपये तो कोई इससे आधा। लेकिन जो बात शीशे की तरह साफ है, वह यह है कि जो भी चाहेंगे, वह मिलेगा। जिन लोगों को हकीकत का पूरी तरह अहसास है, वे जानते हैं कि संसद में की गई गर्मागर्म बहस और आतिशी भाषण, मसलन, राहुल और महुआ के, साफ कहें, तो इनका कोई फायदा नहीं। क्योंकि मोदी 3.0 तब तक चलेगी जब तक कि नायडू पूरी तरह संतुष्ट हैं, इसलिए यह मोदी के हित में होगा कि उन्हें खुश बनाए रखें। फिर, ऐसा भी नहीं कि इन्हें देने को केंद्र सरकार के पास पैसा नहीं है– पर्याप्त है। बल्कि उसके पास चतुरतम नौकरशाही भी है, जिसे भली-भांति इल्म है कि इसके लिए जुगाड़ कहां से और कैसे करना है। मोदी और नायडू, दोनों को भी यह पता है। उनसे यह भी छिपा नहीं है कि नीतीश कुमार अधिक खतरनाक हो सकते हैं, क्योंकि अगले साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं और खुद को राजनीतिक रूप से फंसा देख यह शख्स अपनी जरूरत की खातिर किसी भी हद तक जा सकता है- पाला बदलने समेत। जिन सबको देश की हालत को लेकर चिंता है, तो यहां खुशकिस्मती से दुनिया में भारत का स्थान बेहतर मुल्कों में एक है, क्योंकि माली हालत अच्छी है –गोकि, वह अलग बात है कि क्या इसका अधिकांश भाग केवल दो सूबों को संवारने में लगने वाला है। इसलिए, दिल्ली का कौन-सा प्रारूप अधिक सच है, एक वह जो कहता है कि भारत बदल चुका है क्योंकि भाजपा अपने दम पर बहुमत नहीं ले पाई और उसे दबकर रहना पड़ेगा और यह भी कि सत्ताधारी दल के 'बहुसंख्यकों का तुष्टीकरण' एजेंडे की तरफ लोगों का झुकाव अब और नहीं रहा? या फिर वह प्रारूप जिसमें माना जाता है कि संसद भले ही स्तरीय भाषणों का मंच हो, लेकिन असल शक्ति हमेशा से संसद से बाहर ही रही है?

यक्ष प्रश्न फिर वही, क्या 'पप्पू' पास हो गया? क्या 'पप्पू' ने जन-अपेक्षा का इम्तिहान पास कर लिया? इसके लिए अवश्य ही राहुल गांधी को दबाव बनाए रखना होगा, और यदि हाथरस प्रसंग एक पैमाना है, उत्तर तो कुछ सधा ही सही, अवश्य ही 'हां' होगा।

सहज योग

खोज के पीछे आनंद की प्यास

मनुष्य हर समय कुछ न कुछ खोज रहा है; चाहे वह धन की खोज में हो, चाहे वह शक्ति की खोज में हो, या चाहे वह प्रेम की खोज में हो; वह किसी न किसी खोज के पीछे भाग रहा है।

सहज योग एक नई खोज है। वास्तव में जो रखा गया है, जो है, उसकी खोज कैसे होती है? जैसे कोलंबस ने भारत को खोजने के लिए यात्रा शुरू की थी, तो क्या भारत वहां नहीं था? यदि वह न होता तो वह क्या खोज रहा होता? सहज वहाँ पहले से ही रहा है। इसका पता अभी चला है। सहज योग सर्वोच्च सार का अपना तरीका है। यह प्रकृति की अपनी पद्धति है। यही एकमात्र रास्ता है जहां मानव जाति को विकास के माध्यम से उस आयाम तक ले जाया जा सकता है, जिससे मानव जाति उस चेतना से परिचित हो सकती है, उस चेतना से लीन हो सकती है, जिसके सहारे यह संपूर्ण सृष्टि और मनुष्य का हृदय गतिमान है। इस बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका है। प्राचीन काल से ही इसकी खोज चली आ रही है। मनुष्य हर समय कुछ न कुछ खोज रहा है; चाहे वह धन की खोज में हो, चाहे वह शक्ति की खोज में हो, या चाहे वह प्रेम की खोज में हो; वह किसी न किसी खोज के पीछे भाग रहा है। लेकिन उस तलाश के पीछे क्या प्यास है, शायद वह नहीं जानता। इसके पीछे केवल आनंद की चाह है। खुशी की तलाश में वह सोचता है कि अगर वह ढेर सारा धन इकट्ठा कर ले तो वह खुश रह सकता है। लेकिन ऐसे कई देश हैं जिन्होंने बहुत सारी संपत्ति अर्जित की है और बहुत दुखी हैं। हजारों लोग खुद को मार रहे हैं। इस सारी खोज के पीछे आनंद की प्यास है जो आपको इस अज्ञात की ओर खींच रही है। जब मनुष्य को हर जगह ढूंढने के बाद भी कोई खुशी नहीं मिलती तो वह धर्म की ओर मुड़ जाता है। और जब वह धर्म की ओर मुड़ता है तब भी वह बाहर खोज रहा है। इसका कारण यह है कि वह स्वयं जो है वह खो चुका है। वह अज्ञानी है और इसीलिए मनुष्य स्वयं से भागता है। प्रत्येक क्षण वह स्वयं से भाग रहा है। वह अपने पास दो मिनट भी नहीं बैठ सकता। अगर उसे दो मिनट अपने पास बैठने को कहा जाए तो वह कहता है 'हे भगवान ये मेरे लिए कैसी सजा है।' जिसे हम आजकल बोरियत कहते हैं। मनुष्य स्वयं से इतना तंग क्यों आ गया है? इंसान खुद से इतनी तेजी से क्यों भाग रहा है? क्योंकि वह स्वयं से अनभिज्ञ है। वह अपनी सुंदरता, अपने ज्ञान, अपनी महिमा, अपने प्रेम से अनभिज्ञ है और खुशी की तलाश में बाहर की ओर भाग रहा है। आनंद बाहर नहीं है. यह भीतर है। यह आपके भीतर है। लोग कहते हैं आप भगवान का रूप हैं। सिर्फ बात करने से ये होने वाला नहीं है. मराठी में वे कहते हैं, "बोलाचच भट बोलाचिच कढ़ी" (केवल वादे करना लेकिन उन्हें पूरा नहीं करना)।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

शख्सियत | गुरु दत्त

सुनहरे पर्दे के शानदार अभिनेता

सुनहरे पर्दे के जाने माने अभिनेता गुरु दत्त भारतीय सिनेमा के सबसे महानकलाकारों में से एक थे। हालांकि उन्होंने दस से भी कम फिल्में बनाईं, लेकिन माना जाता है कि वह बॉलीवुड का स्वर्णिम युग था।गुरुदत्त ने अपने अभिनय कौशल के माध्यम से उस काल की बदलती सामाजिक स्थिति को प्रतिबिंबित किया। अपने छोटे से जीवन में, गुरु दत्त ने प्यासा (957), कागज़ के फूल (1960) और बाजी (1951) जैसी भारत की सबसे अधिक सामाजिक रूप से जागरूक फिल्में बनाईं। उन्हें वहीदा रहमान को स्टारडम तक पहुंचाने और आगे बढ़ाने का श्रेय भी दिया जाता है।

गुरु दत्त का जन्म 9 जुलाई, 1925 को मैसूर में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा कलकत्ता में हुई। गुरु दत्त ने दो साल तक उदय शंकर के अल्मोडा स्थित इंडिया कल्चरल सेंटर में नृत्य सीखा। बंबई जाने के बाद उन्होंने सिनेमा की दुनिया में प्रवेश किया। गुरु दत्त ने फिल्म इंडस्ट्री में बतौर कोरियोग्राफर फिल्म 'हम एक हैं' से अपना सफर शुरू किया था।एक अभिनेता के रूप में गुरु दत्त का करियर 1944 में फिल्म 'लखरानी' से शुरू हुआ। 'बाजी' से गुरु दत्त निर्देशक बने लेकिन 'आर पार' (1954) ने उन्हें निर्देशक के रूप में स्थापित किया।

फिल्म में नायक की भूमिका निभाकर उन्होंने अपने अभिनय का लोहा भी मनवाया। इसी दौरान गुरु दत्त ने लोकप्रिय पार्श्व गायिका गीता रॉय से शादी कर ली।

गुरु दत्त की कुछ अन्य उल्लेखनीय फिल्में ₹कागज के फूल₹, ₹चौदवीं का चांद₹ और ₹साहब बीबी और गुलाम₹ थीं। उनकी अगली फिल्में, थर्स्ट (1957) और पेपर फ्लावर्स (1959) को उनका सर्वश्रेष्ठ काम माना जाता है। प्यास (1957) उनकी उत्कृष्ट कृति थी, एक कवि के बारे में जो एक पाखंडी, लापरवाह दुनिया में सफलता प्राप्त करने की कोशिश कर रहा है। यह बॉक्स-ऑफिस पर हिट रही और इसे उनकी अब तक की सबसे महान फिल्म का दर्जा दिया गया। इसके विपरीत, पेपर फ्लॉवर्स (1959) बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रहीः फिल्म उद्योग की पृष्ठभूमि पर स्थापित एक दुखद प्रेम प्रसंग की अर्ध-आत्मकथात्मक कहानी को दर्शकों के लिए इतनी खराब समझा गया कि वह दर्शकों के सिर के ऊपर से गुजर गई। हालांकि बाद के वर्षों में फिल्म को अपनी सिनेमैटोग्राफी के लिए आलोचकों की प्रशंसा मिली और इसने एक लोकप्रिय पंथ प्राप्त कर लिया, दत्त, जिन्होंने फिल्म में अपनी आत्मा डाल दी थी, इसकी विफलता से टूट गए और उन्होंने कभी दूसरी फिल्म का निर्देशन नहीं किया।

त्त ने फिल्मों का निर्माण और अभिनय करना जारी रखा, विशेष रूप से पीरियड ड्रामा चौदहवीं का चांद (1960) और साहिब बीबी और गुलाम (1962)।दस अक्टूबर, 1964 को दत्त अपने बिस्तर पर मृत पाए गए। मृत्यु का कारण शराब और नींद की गोलियों का संयोजन माना गया।

जीवन ऊर्जा

यूजी कृष्णमूर्तिः जन्म- 9 जुलाई 1918 | जन्म

विचार कभी भी जीवन की गति को नहीं पकड़ सकता

यूजी कृष्णमूर्ति का जन्म 9 जुलाई 1918 को भारत के तटीय आंध्र पदेश के एक शहर मछलीपट्टनम में हुआ था। उनका पूरा नाम उप्पलुरी गोपाल कृष्णमूर्ति हैं। वह एक दार्शनिक और लेखक थे, जिन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान की स्थिति पर सवाल उठाया था। 22 मार्च 2007 को यूजी की इटली के वैलेक्रोसिया में मृत्यु हुई थी।

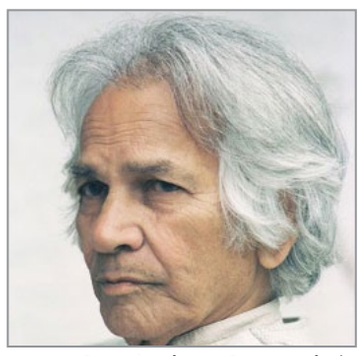

मैं आपको केवल यह गारंटी दे सकता हूं कि जब तक आप खुशी की तलाश में हैं, आप दुखी रहेंगे। स्पष्ट तथ्य यह है कि यदि आपके पास कोई समस्या नहीं है, तो आप एक समस्या पैदा करते हैं। अगर आपको कोई समस्या नहीं है तो आपको नहीं लगता कि आप जी रहे हैं।विचार कभी भी जीवन की गति को नहीं पकड़ सकता, यह बहुत धीमी है।बच्चों को कैसे व्यवहार करना है, कैसे रहना है और कैसे कार्य करना है यह सिखाने की तुलना में उनसे सीखना अधिक दिलचस्प होगा। प्रकृति बिल्कुल अद्वितीय व्यक्तियों को बनाने में व्यस्त है, जबकि संस्कृति ने एक ही सांचे का आविष्कार किया है जिसके अनुरूप सभी को होना चाहिए। यह विचित्र है। मनुष्य के बाहर कोई शक्ति नहीं है। मनुष्य ने डर के कारण भगवान को बनाया है। तो समस्या डर है, भगवान नहीं। यदि आप अन्य सभी रास्तों को अस्वीकार करते हैं तो ही आप अपना रास्ता खोज सकते हैं। आप तब सोचते हैं जब आप कुछ नहीं करना चाहते। सोचना अभिनय का एक ख़राब विकल्प है। आपकी सोच आपकी सारी ऊर्जा खा रही है। कार्य करो, सोचो मत! अपने अलग स्व को निरंतरता देने के लिए विचार का निरंतर उपयोग आप ही हैं। उसके अलावा आपके अंदर कुछ भी नहीं है। सच्चाई जैसी कोई चीज़ नहीं है। एकमात्र चीज़ जो वास्तव में मौजूद है वह आपका 'तार्किक रूप से' सुनिश्चित आधार है, जिसे आप सत्य कहते हैं। भोजन, कपड़ा और आश्रय ये बुनियादी ज़रूरतें हैं। इसके अलावा, यदि आप कुछ भी चाहते हैं, तो यह आत्म-धोखे की शुरुआत है। हम भय से मुक्त नहीं होना चाहते । हम बस इसके साथ गेम खेलना चाहते हैं और खुद को डर से मुक्त करने के बारे में बात करना चाहते हैं।

जब आप कुछ नहीं जानते, तो आप बहुत कुछ कहते हैं। जब आप कुछ जानते हैं तो कहने को कुछ नहीं बचता। सच तो यह है कि हम आज़ाद नहीं होना चाहते। हमारी समस्याओं के लिए जो ज़िम्मेदार है वह हमारे पास जो कुछ है और जो हम जानते हैं उसे खोने का डर है। खोज इस अहसास के साथ समाप्त होती है कि आत्मज्ञान जैसी कोई चीज़ नहीं है।

प्रेरक प्रसंग

इस दुनिया में कोई गरीब नहीं

भगवान गौतम बुद्ध एक गांव में धर्म सभा को संबोधित कर रहे थे। लोग अपनी विभिन्न परेशानियों को लेकर उनके पास जाते और उसका हल लेकर खुशी-खुशी वहां से लौटते। उसी गांव के सड़क के किनारे एक गरीब व्यक्ति बैठा रहता तथा महात्मा बुद्ध के उपदेश शिविर में आने जाने वाले लोगों को बड़े ध्यान से देखता। उसे बड़ा आश्चर्य होता कि लोग अंदर तो बड़े दुःखी चेहरें लेकर जाते है लेकिन जब वापस आते है तो बड़े खुश और प्रसन्न दिखाई देते है। उस गरीब को लगा कि क्यों न वो भी अपनी समस्या को भगवान के समक्ष रखे? मन में यह विचार लिए वह भी महात्मा बुद्ध के पास पहुंचा। लोग पंक्तिबध खड़े होकर अपनी समस्या को बता रहे थे। जब उसकी बारी आई तो उसने सबसे पहले महात्ममा बुद्ध को प्रणाम किया और फिर कहा। भगवान इस गांव में लगभग सभी लोग खुश और समृध है। फिर मैं ही क्यो गरीब हूं?' इस पर उन्होने मुस्कुराते हुए कहा तुम गरीब और निर्धन इसलिए हो क्योंकि तुमने आज तक किसी को कुछ दिया ही नहीं। इस पर वह गरीब व्यक्ति बड़ा आर्श्चयचकित हुआ और बोला भगवान, मेरे पास भला दूसरों को देने के लिए क्या होगा। भगवान बुद्ध शांत रहे, फिर बोले- मुस्कुराहट दी है जिससे तुम लोगों में आशा का संचार कर सकते हो। मुख दिया है ताकि लोगों से दो मीठे शब्द बोल सकते है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

समुद्र देवता पर चलाए जाने वाला ब्रह्मास्त्र

सीताराम सीताराम सीताराम कहिए, जाहि विधि राखे राम ताहि विधि रहिए।

रामायणः समुद्र देवता पर चलाए जाने वाला ब्रह्मास्त्र बाण भगवान राम ने कहां छोड़ा?

रामायण में एक प्रसंग आता है जब भगवान राम लंका जाने के लिए समुद्र देवता से रास्ता मांगते हैं और उन्हें रास्ता नहीं मिलता। उस समय श्री राम क्रोधित हो जाते हैं। क्रोध में आकर वह अपना धनुष उठाते हैं और समुद्र को सुखाने के लिए ब्रह्मास्त्र चलाने का मन बना लेते हैं। तभी समुद्र देवता प्रकट होकर उन्हें अपनी गलती के लिए क्षमा मांगते हैं और श्री राम को बताते हैं कि वह वानरो की सहायता से समुद्र में पुल बनाकर लंका जा सकते हैं। भगवान राम समुद्र देवता की बात सुनकर उन्हें क्षमा कर देते हैं। लेकिन क्रोध में निकाले गए ब्रह्मास्त्र को वापस नहीं रख सकते थे। तब उन्होंने समुद्र देवता से पूछा कि अब तो ये बाण कहीं न कहीं छोड़ना ही पड़ेगा। इस पर

समुद्र देवता उन्हें द्रुमकुल्य नाम के देश में बाण छोड़ने का सुझाव देते हैं। समुद्र देवता का कहना था कि द्रुमकुल्य पर भयंकर दस्यु (डाकू) रहते हैं जो उनके जल को भी दूषित करते रहे हैं। इस पर राम ने ब्रह्मास्त्र चला दिया। वाल्मीकि रामायण मे दिए गए वर्णन के अनुसार ब्रह्मास्त्र की गर्मी से दुमकुल्य के डाकू मारे गए। लेकिन इसकी गर्मी इतनी ज्यादा थी कि सारे पेड़ पौधे सूख गए और धरती जल गई। इसके कारण पूरी जगह रेगिस्तान में बदल गई और वहां के पास मौजूद सागर भी सूख गया। यह वर्णन बेहद आश्चर्यजनक है और जिस तरह से लंका तक बनाए गए रामसेतु को भगवान राम की एतिहासिकता के सबूत के तौर पर माना जाता है उसी तरह इस घटना को भी सही माना जाता है। माना जाता है कि यह जगह आज का कजाकिस्तान है। कजाकिस्तान में ऐसी ढेरों विचित्रताएं हैं जो इशारा करती है कि उसका संबंध रामायण काल से हो सकता है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार श्री राम ने उत्तर दिशा में द्रुमकुल्य के लिए बाण चलाया था। वो जानते थे कि इसके असर से वहां डाकू तो मर जाएंगे लेकिन निद्रोष जीवजंतु भी मारे जाएंगे और पूरी धरती रेगिस्तान बन जाएगी। इसलिए उन्होंने यह आशीर्वाद भी दिया कि कुछ दिन बाद वहां सुगंधित औषधियां उगेंगी, वह जगह पशुओं के लिए उत्तम, फल मूल मधु से भरी होगी।

कजाकिस्तान में जिस जगह पर राम का बाण गिरा वो जगह किजिलकुम मरुभूमि के नाम से जानी जाती है। यह दुनिया का 15वां सबसे बड़ा रेगिस्तान है। स्थानीय भाषा में किजिलकुम का मतलब लाल रेत होता है। माना जाता है कि कि ब्रह्मास्त्र की ऊर्जा के असर से यहां की रेत लाल हो गई। किजिलकुम में कई दुर्लभ पेड़ पैधे पाए जाते हैं। पास में अराल सागर है जो दुनिया का इकलौता समुद्र है जो समय के साथ साथ सूख रहा है। आज यह अपने मूल आकार का मात्र 10 फीसदी बचा है।

किजिलकुम का कुछ हिस्सा तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान में भी है। रामेश्वरम तट से इस जगह की दूरी करीब साढ़े चार हजार किलोमीटर है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सुविचार

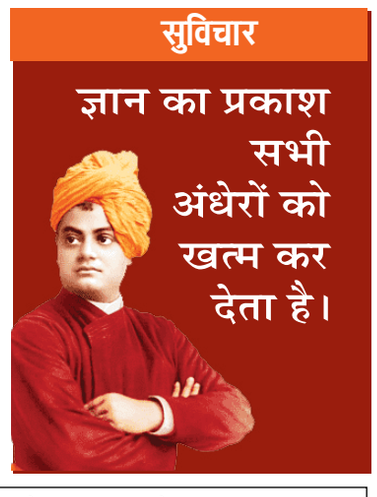

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

इस लेख में हम उन महिलाओं के बारे में बताएंगे, जिन्होंने कई उपलब्धियां हासिल कर समाज के लिए अपना अहम योगदान दिया है। ये उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं जो अकेले अपने दम पर अपने सपने को पूरा करना चाहती हैं।

पूर्णिमा हेम्ब्रम

फील्ड एथलीट

जन्म: 10 जुलाई 1993, ओडिशा

पूर्णिमा हेम्ब्रम एक भारतीय ट्रैक और फील्ड एथलीट हैं। वह हेप्टाथलॉन में माहिर हैं, एक ऐसा इवेंट जिसमें सात अलग-अलग ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिताएं शामिल हैं। पूर्णिमा ने चीन के वुहान में 2015 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर प्रसिद्धि प्राप्त की। उन्होंने तुर्कमेनिस्तान के अश्गाबात में 2017 एशियाई इनडोर और मार्शल आर्ट्स गेम्स में भी स्वर्ण पदक जीता। पूर्णिमा ने एथलेटिक्स के प्रति अपनी बहुमुखी प्रतिभा और समर्पण का प्रदर्शन करते हुए कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उनकी उपलब्धियों ने उन्हें महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए एक आदर्श बना दिया है, खासकर उनके गृह राज्य ओडिशा में।

केसरबाई केरकर

शास्त्रीय गायिका

जन्म : 13 जुलाई 1892, गोवा
निधन : 16 सितंबर 1977

केसरबाई केरकर गोवा की एक प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय गायिका थीं। वह जयपुर-अतरौली घराने के संस्थापक उस्ताद अल्लादिया खान की एक प्रमुख शिष्या थीं। केसरबाई की गायकी उनकी दमदार आवाज़ और रागों की जटिल प्रस्तुतियों के लिए मशहूर थी। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में उनके योगदान ने उन्हें व्यापक प्रशंसा दिलाई, जिसमें 1953 में प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और 1969 में पद्म भूषण शामिल हैं। केसरबाई की विरासत उनकी रिकॉर्डिंग के माध्यम से बनी हुई है, जो अपनी गहराई और तकनीकी चमक के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्हें अपने घराने की सबसे प्रमुख प्रतिपादकों में से एक और भारतीय शास्त्रीय संगीत की एक आइकन के रूप में याद किया जाता है।

तुलसी मुंडा

सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षिका

जन्म : 15 जुलाई 1947, ओडिशा

तुलसी मुंडा एक प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षिका हैं। औपचारिक शिक्षा की कमी के बावजूद, उन्होंने अपना जीवन ओडिशा के आदिवासी समुदायों में साक्षरता और सामाजिक सुधार को बढ़ावा देने के लिए समर्पित कर दिया है। तुलसी ने एक दर्जन से ज़्यादा स्कूल खोले हैं, जहाँ हज़ारों बच्चों को शिक्षा दी जाती है, जिनके पास अन्यथा सीखने की कोई सुविधा नहीं थी। उनके अथक प्रयासों ने उन्हें 2001 में पद्म श्री सहित कई पुरस्कार दिलाए हैं। तुलसी के काम ने उनके समुदाय को काफ़ी ऊपर उठाया है, जिससे वे जमीनी स्तर पर सक्रियता का प्रतीक बन गई हैं और ग्रामीण भारत में शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए आशा की किरण बन गई हैं।

खुशबीर कौर

रेसवॉकर

जन्म : 9 जुलाई 1993, अमृतसर, पंजाब

खुशबीर कौर एक भारतीय रेसवॉकर हैं। उन्हें 20 किलोमीटर रेस वॉक इवेंट में उनकी उपलब्धियों के लिए जाना जाता है। कौर ने दक्षिण कोरिया के इंचियोन में आयोजित 2014 एशियाई खेलों में रजत पदक जीतकर राष्ट्रीय पहचान हासिल की। इस उपलब्धि ने उन्हें एशियाई खेलों में रेसवॉकिंग में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बना दिया। इसके अलावा, उन्होंने कई अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, भारत का प्रतिनिधित्व किया है और देश में इस खेल पर ध्यान आकर्षित किया है। खुशबीर कौर की लगन और सफलता ने भारत में कई युवा एथलीटों को रेसवॉकिंग और एथलेटिक्स को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है।

झुम्पा लाहिड़ी

अमेरिकी लेखिका

जन्म: 11 जुलाई 1967, लंदन

झुम्पा लाहिड़ी भारतीय मूल की प्रशंसित एक अमेरिकी लेखिका हैं। वह भारतीय-अमेरिकी अनुभव की खोज करने वाली अपनी रचनाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके पहले लघु कथा संग्रह, 'इंटरप्रेटर ऑफ़ मैलाडीज़' (1999) ने फिक्शन के लिए पुलित्ज़र पुरस्कार जीता। लाहिड़ी के पहले उपन्यास, 'द नेमसेक' (2003) पर एक सफल फ़िल्म बनाई गई थी। उन्होंने 'अनएक्स्टम्ड अर्थ' (2008) और 'द लोलैंड' (2013) सहित अन्य उल्लेखनीय रचनाएँ भी प्रकाशित की हैं, जिन्हें मैन बुकर पुरस्कार के लिए चुना गया था।

छंदा गायेन

पर्वतारोही

जन्म : 9 जुलाई 1979, प. बंगाल
निधन : 20 मई 2014

छंदा गायेन एक भारतीय पर्वतारोही थीं। वह पर्वतारोहण में अपनी उपलब्धियों के लिए प्रसिद्ध हैं। मई 2013 में, उन्होंने माउंट एवरेस्ट और माउंट लोत्से पर चढ़ाई की, एक ही अभियान में दोनों चोटियों पर चढ़ने वाली बंगाल की पहली महिला बनीं। छंदा को उनकी बहादुरी और पर्वतारोहण के प्रति जुनून के लिए जाना जाता था। दुर्भाग्य से, मई 2014 में, कंचनजंगा पर्वत पर चढ़ने का प्रयास करते समय, वह और उनकी टीम हिमस्खलन में फंस गई। उन्हें लापता घोषित कर दिया गया और बाद में मृत मान लिया गया। छंदा की विरासत भारत में कई युवा पर्वतारोहियों को प्रेरित करती है।

जयश्री तलवलकर

आध्यात्मिक नेता

जन्म : 12 जुलाई 1957

जयश्री तलवलकर, जिन्हें दीदी के नाम से भी जाना जाता है, एक प्रमुख भारतीय आध्यात्मिक नेता हैं। वे स्वाध्याय आंदोलन के संस्थापक पांडुरंग शास्त्री आठवले की बेटी हैं, जो स्वाध्याय आंदोलन पर जोर देता है। 2003 में अपने पिता के निधन के बाद, जयश्री तलवलकर ने आध्यात्मिक और सामाजिक उत्थान को बढ़ावा देने के अपने मिशन को जारी रखते हुए आंदोलन का नेतृत्व संभाला। उन्होंने अपने प्रवचनों के माध्यम से लाखों लोगों को प्रेरित किया है, जो आंतरिक परिवर्तन, नैतिक जीवन और परिवार और सामाजिक मूल्यों के महत्व पर केंद्रित हैं। उनके मार्गदर्शन में, स्वाध्याय आंदोलन ने भारत और दुनिया भर में जीवन को प्रभावित करते हुए, सद्भाव और आत्म-सुधार को बढ़ावा देते हुए महत्वपूर्ण रूप से विकास किया है।

बरसात में बिना मेकअप के भी दिखें खूबसूरत

बरसात के मौसम में बिना मेकअप के अच्छा दिखना आपकी त्वचा और बालों की देखभाल, उचित कपड़े पहनना और सकारात्मक दृष्टिकोण रखने पर निर्भर करता है। यहां कुछ आसान टिप्स दिए गए हैं जो आपको प्राकृतिक रूप से सबसे अच्छा दिखने में मदद करेंगे, भले ही बाहर बारिश हो :

त्वचा की देखभाल

सफाई : अपनी त्वचा से गंदगी और तेल हटाने के लिए एक सौम्य क्लींजर से शुरुआत करें। साफ त्वचा हमेशा ताजा और चमकदार दिखती है।

मॉइस्चराइजिंग : एक हल्के, पानी आधारित मॉइस्चराइज़र का उपयोग करें। यह आपकी त्वचा को चिपचिपा महसूस किए बिना हाइड्रेटेड रखता है, जो बरसात के मौसम के लिए एकदम सही है।

सनस्क्रीन: बरसात के दिनों में भी, यूवी किरणें आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। अपनी त्वचा की रक्षा करने और काले धब्बे और उम्र बढ़ने से बचाने के लिए ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन लगाएं।

एक्सफोलिएशन : मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने के लिए सप्ताह में एक या दो बार अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट करें। यह आपकी त्वचा को चिकनी और चमकदार बनाए रखने में मदद करता है।

2. बालों की देखभाल

फ्रिज़ कंट्रोल : बारिश और नमी आपके बालों को फ़िज़ी बना सकती है. अपने बालों को मुलायम बनाए रखने के लिए फ़िज़-कंट्रोल सीरम या लीव-इन कंडीशनर का इस्तेमाल करें।

सरल हेयरस्टाइल : ब्रैड, बन या पोनीटेल जैसे आसानी से मैनेज किए जा सकने वाले हेयरस्टाइल चुनें। ये स्टाइल आपके बालों को नमी वाली परिस्थितियों में भी साफ और स्टाइलिश रखने में मदद करते हैं।

सुखाना : बाहर जाने से पहले सुनिश्चित करें कि आपके बाल पूरी तरह से सूखे हों। बारिश में गीले बाल फ़िज़ी और गंदे हो सकते हैं।

3. हाइड्रेशन और डाइट

पानी पिएं : स्वस्थ त्वचा के लिए हाइड्रेटेड रहना बहुत ज़रूरी है। अपनी त्वचा को कोमल और चमकदार बनाए रखने के लिए दिन भर खूब पानी पिएं।

स्वस्थ आहार : फलों, सब्जियों और लीन प्रोटीन से भरपूर संतुलित आहार लें। विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर खाद्य पदार्थ स्वस्थ त्वचा और बालों का समर्थन करते हैं।

4. कपड़े और एसेसरीज

मौसम के अनुकूल कपड़े : नायलॉन या पॉलिएस्टर जैसे जल्दी सूखने वाले कपड़े पहनें। ऐसे भारी कपड़े न पहनें जिन्हें सूखने में बहुत समय लगता है।

चमकीले रंग : बरसात के दिन नीरस हो सकते हैं, इसलिए अपने मूड और दिखावट को बेहतर बनाने के लिए चमकीले और खुशनुमा रंग पहनें।

जूते : अपने पैरों को सूखा और आरामदायक रखने के लिए वाटरप्रूफ जूते या बूट चुनें। गीले पैर आपको ठंडा और असहज महसूस करा सकते हैं, जिससे आपकी पूरी दिखावट प्रभावित होती है।

छाता : हमेशा एक स्टाइलिश छाता साथ रखें। यह आपको बारिश से बचाता है और आपके लुक में चार चाँद लगाता है।

5. टिप्स

अच्छी नींद लें : डार्क सर्कल और थकी हुई त्वचा से बचने के लिए पर्याप्त नींद लें। अच्छी तरह से आराम करने वाली त्वचा तरोताज़ा और जीवंत दिखती है।

फेस मिस्ट : अपने साथ एक ताज़ा फेस मिस्ट रखें। एक त्वरित स्प्रे आपकी त्वचा को फिर से जीवंत कर सकता है और आपको एक ओसदार चमक दे सकता है।

ब्लॉटिंग पेपर : अपने चेहरे पर अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करने के लिए ब्लॉटिंग पेपर का उपयोग करें। वे आपकी त्वचा को आपके प्राकृतिक रूप को बिगाड़े बिना मैट और ताज़ा बनाए रखने में मदद करते हैं।

अपने चेहरे को छूने से बचें : गंदगी और तेल को स्थानांतरित करने से बचने के लिए अपने हाथों को अपने चेहरे से दूर रखें, जो मुंहासों का कारण बन सकता है और आपकी त्वचा को सुस्त बना सकता है।

मानसून में चाहिए खिली त्वचा, तो चावल के आटे का करें प्रयोग

मानसून का मौसम आते ही स्किन से जुड़ी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस मौसम में ना केवल स्किन में अधिक चिपचिपेपन का अहसास होता है, बल्कि स्किन में डलनेस और इचिंग जैसी शिकायतें भी होती है। यही कारण है कि इस मौसम में आपकी स्किन अतिरिक्त केयर मांगती है। अमूमन देखने में आता है कि मानसून के मौसम में लोग तरह-तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने लग जाते हैं। हालांकि, अगर आप चाहें तो नेचुरल तरीके से भी अपनी स्किन को पैम्पर कर सकते हैं। बस इस मौसम में चावल के आटे को अपने ब्यूटी रूटीन का हिस्सा बनाइए और दमकती हुई स्किन पाइए-

अधिक ऑयल को करें कंट्रोल

मानसून में मौसम में ह्यूमिडिटी लेवल बढ़ जाने से स्किन पर अधिक पसीने और ऑयल की समस्या होती है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप चावल के आटे का इस्तेमाल करें। आप चावल के आटे को दही या शहद के साथ मिलाकर गाढ़ा पेस्ट

बना लें। अब आप अपनी स्किन को क्लीन करके इसे चेहरे पर समान रूप से लगाएं और धोने से पहले 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। यह अतिरिक्त ऑयल को सोखने में मदद करेगा, जिससे आपकी स्किन अधिक फ्रेश नजर आएगी।

स्किन को बनाएं ब्राइटन

अगर आपको मानसून में अपनी स्किन अधिक डल व बेजान नजर आ रही है तो आप चावल के आटे का इस्तेमाल करें और अपनी स्किन को ब्राइटन बनाएं। इसके लिए आप दो चम्मच चावल के आटे में एक चुटकी हल्दी और पर्याप्त दूध मिलाकर पेस्टs बना लें। चेहरे पर लगाएं, 15 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर धो लें। जहां, हल्दी चेहरे को चमकदार बनाती है जबकि चावल का आटा स्किन को धीरे-धीरे एक्सफोलिएट करता है।

स्क्रब की तरह करें इस्तेमाल

मानसून के मौसम में स्किन को डीप क्लीनिंग की जरूरत होती है, इसलिए हर 15 दिन में स्क्रब करना बेहद जरूरी है। चावल का आटा एक जेंटल एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है और गंदगी को दूर करता है। आप चावल के आटे से स्क्रब बनाने के लिए आटे में शहद और नींबू के रस की कुछ बूंदों को मिक्स करें। अब अपने फेस को क्लीन करके इस स्क्रब को लगाएं और बेहद हल्के हाथों से मसाज करें। अंत में पानी से फेस क्लीन करें।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी।

वृष वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। नौकरी में अपेक्षानुरूप कार्य न होने से अधिकारी की नाराजी झेलना पड़ेगी।

मिथुन यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

कर्क आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी।

सिंह प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी।

कन्या अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा।

तुला भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा।

वृश्चिक शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति विशेष से अनबन हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

कुंभ यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

मीन कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

नवग्रह सर्व ग्रह पीड़ा निवारण उपाय

सूर्य

1. सूर्य को बली बनाने के लिए व्यक्ति को प्रातःकाल सूर्योदय के समय उठकर लाल पूष्प वाले पौधों एवं वृक्षों को जल से सींचना चाहिए।
2. रात्रि में तांबे के पात्र में जल भरकर सिरहाने रख दें तथा दूसरे दिन प्रातःकाल उसे पीना चाहिए।
3. तांबे का कड़ा दाहिने हाथ में धारण किया जा सकता है।
4. लाल गाय को रविवार के दिन दोपहर के समय दोनों हाथों में गेहूं भरकर खिलाने चाहिए।
5. गेहूं को जमीन पर नहीं डालना चाहिए।
6. किसी भी महत्त्वपूर्ण कार्य पर जाते समय घर से मीठी वस्तु खाकर निकलना चाहिए।
7. हाथ में मोली (कलावा) छः बार लपेटकर बाधना चाहिए।
8. लाल चंदन को घिसकर स्नान के जल में डालना चाहिए।

सूर्य के दुष्प्रभाव निवारण के लिए किए जा रहे टोटकों हेतु रविवार का दिन, सूर्य के नक्षत्र (कृत्तिका, उत्तरा-फाल्गुनी तथा उत्तराषाढ़ा) तथा सूर्य की होरा में अधिक शुभ होते है।

चन्द्रमा

1. व्यक्ति को देर रात्रि तक नहीं जागना चाहिए।
2. रात्रि के समय घूमने-फिरने तथा यात्रा से बचना चाहिए।

3. रात्रि में ऐसे स्थान पर सोना चाहिए जहाँ पर चन्द्रमा की रोशनी आती हो।
4. ऐसे व्यक्ति के घर में दूषित जल का संग्रह नहीं होना चाहिए।
5. वर्षा का पानी कांच की बोतल में भरकर घर में रखना चाहिए।
6. वर्ष में एक बार किसी पवित्र नदी या सरोवर में स्नान अवश्य करना चाहिए। सोमवार के दिन मीठा दूध नहीं खाना चाहिए।

प्रियंका जैन
9769994439

7. सफेद सुगंधित पुष्प वाले पौधे घर में लगाकर उनकी देखभाल करनी चाहिए।
8. चन्द्रमा के दुष्प्रभाव निवारण के लिए किए जा रहे टोटकों हेतु सोमवार का दिन, चन्द्रमा के नक्षत्र (रोहिणी, हस्त तथा श्रवण) तथा चन्द्रमा की होरा में अधिक शुभ होते है।

खबर संक्षेप

पुल के बाद अब बिहार में गिरी स्कूल की छत

मुंगेर। बिहार में पुल गिरने और धंसने के साथ ही अब स्कूल की छत भी गिरने लगी है। मुंगेर के सदर प्रखंड की तारापुर दियारा पंचायत स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय महेशपुर के पुराने जर्जर भवन की छत का हिस्सा टूटकर गिर गया। इस घटना में विद्यालय में मौजूद शिक्षक व बच्चे बाल-बाल बच गए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक उत्तम कुमार ने बताया कि विद्यालय भवन की छत जर्जर हो चुकी है। इस कारण कुछ वर्ष पहले ही केवल दो कमरे में शिक्षण कार्य संचालित किया जा रहा था। इसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को भी दी गई थी। उन्होंने बताया कि इस दिशा में विभागीय स्तर पर विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार अथवा नए भवन निर्माण की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया गया। ऐसे में पिछले तीन-चार दिनों से हो रही लगातार वर्षा के कारण भवन की जर्जर छत का हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। इस घटना में शिक्षक तथा विद्यार्थी बाल-बाल बच गए। हमलोग डर के साए में विद्यालय का संचालन करते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में बारहवीं तक की पढ़ाई होती है। इसके बावजूद दो कमरे में ही सभी कक्षाओं का संचालन करना पड़ता है।

गोमिया में 2 लोग मृत मिले

बोकारो। बोकारो जिला के गोमिया प्रखंड में सोमवार को 2 लोगों के शव मिले। इनमें से एक शव कोनार नदी की झाड़ी में फंसा मिला। दूसरे व्यक्ति की मौत अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हुई। दोनों शव बेरमो अनुमंडल के गोमिया और आईईएल थाना क्षेत्र में मिले हैं। गोमिया थाना क्षेत्र के हजारी मोड़ स्थित पेट्रोल पंप के निकट रविवार की रात को एक व्यक्ति घायल अवस्था में मिला था। गोमिया थाना की पेट्रोलिंग पार्टी ने उसे तत्काल गोमिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। चिकिसकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल बोकारो भेज दिया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उसकी पहचान के लिए जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। दूसरा शव सोमवार की सुबह ससबेड़ा पंचायत के चिरुबदार स्थित कोनार नदी में झाड़ी में फंसा मिला। स्थानीय लोगों ने तुरंत आईईएल थाना की पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बरामद किया। पानी में रहने के कारण बॉडी फूल गया है। उसकी पहचान के लिए पुलिस लगी हुई है।

हेमंत सोरेन के कैबिनेट में 11 विधायकों को मिली जगह

एजेंसी । रांची

मुख्यमंत्री बनने के बाद हेमंत सोरेन ने विधानसभा में बहुमत सिद्ध कर दिया है। बहुमत हासिल करने के बाद कैबिनेट का विस्तार भी कर लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, रामेश्वर उरांव, सत्यानंद भोक्ता, हफिजुल हसन समेत 11 विधायकों ने मंत्री शपथ ली है। कैबिनेट में तीन नए चेहरों को भी जगह दी गई है।

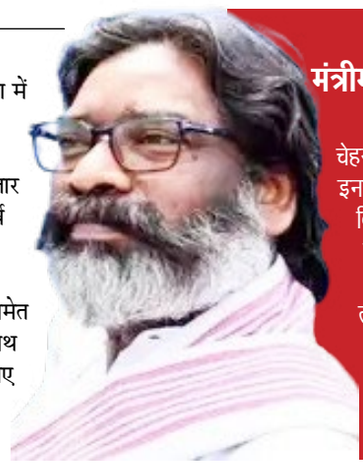

3 नए चेहरे हुए मंत्रीमंडल में शामिल

मंत्रीमंडल में तीन नए चेहरों को जगह दी गई है। इनमें सबसे प्रमुख कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय सिंह, कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी हैं। तो वहीं झामुमो कोटे से बैद्यनाथ राम को भी कैबिनेट में स्थान दिया गया है।

कौन हैं ये तीन नए चेहरे ?

दीपिका पांडेय सिंह– दीपिका पांडेय सिंह गोड्डा के महागामा से विधायक है। दीपिका 2019 में पहली बार विधायक बनी थी। दीपिका पांडेय का ताल्लूक राजनीतिक परिवार से है। वह पूर्व मंत्री अवध विहारी सिंह की बहू है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में दीपिका को गोड्डा लोस से टिकट दिया था लेकिन विरोध होने के बाद पौड़याहाट विधायक प्रदीप यादव को एक बार फिर से मौका दिया गया। दीपिका को जरमुंडी विधायक और पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख की जगह मंत्रीमंडल में जगह दी गई है।

इरफान अंसारी– इरफान अंसारी जामताड़ा से कांग्रेस के विधायक है। इरफान अंसारी कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद फुरकान अंसारी के बेटे हैं। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के जेल में होने से इन्हें अल्पसंख्यक कोटे से मंत्री बनाया गया है।

बैद्यनाथ राम– बैद्यनाथ राम लातेहार से झामुमो के विधायक है। 2019 में मंत्री नहीं बनने के कारण ये नाराज चल रहे थे। लेकिन इस बार इन्हें मौका दिया गया है।

8 पुराने चेहरों को फिर से मिला मौका

मंत्रीमंडल विस्तार में 8 पुराने चेहरों को शामिल किया गया है। इनमें पिछली सरकार में सीएम चंपाई सोरेन और रामेश्वर उरांव को भी शामिल किया गया है।

चंपाई सोरेन– कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री रहे चंपाई सोरेन अब फिर से सरकार का हिस्सा बन गए हैं। चंपाई सोरेन पश्चिमी सिंहभूम के सरायकेला विधानसभा से विधायक हैं।

रामेश्वर उरांव – पिछली सरकार में वित्त मंत्री रहे रामेश्वर उरांव को भी इस मंत्रीमंडल में शामिल किया गया है। रामेश्वर उरांव लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हैं।

सत्यानंद भोक्ता– राजद कोटे से सत्यानंद भोक्ता को मंत्री बनाया गया है। सत्यानंद भोक्ता चतरा विधानसभा सीट से विधायक हैं। पिछली दोनों सरकार में सत्यानंद कृषि मंत्री और श्रम मंत्री रहे हैं।

मऊ में बुलडोजर एक्शन

नदी किनारे बने 10 अवैध अतिक्रमण को किया गया ध्वस्त

DM के सख्त निर्देश पर हुई कार्रवाई

मऊ। मऊ जिले में जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र के दिशा निर्देश पर सोमवार को तमसा नदी के किनारे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान 10 अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र कुमार के नेतृत्व में किया गया। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि मंगलवार को भी अधिक संख्या में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। बताया कि तमसा नदी पर अतिक्रमण को लेकर जिला प्रशासन गंभीर है। जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि जिलाधिकारी ने तमसा नदी को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए समस्त अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जब तक समस्त अवैध निर्माण नहीं हटेंगे, तब तक अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के बाद यहां पर नदी की जलधारा को अविरल किया जाएगा। नदी के दोनों तरफ पौधारोपण भी होगा।

नालंदा में घर बनाना हुआ महंगा

नालंदा। नालंदा जिले में पिछले एक सप्ताह में ईंट-बालू के दाम में 20 से 40 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। बारिश शुरू होने के बाद से लगातार ईंट-बालू के दामों में तेजी आ रही है। पिछले सात दिनों में ईंट 1000 से 1500 रुपये प्रति ट्रैक्टर और बालू 1000 से 2000 रुपये प्रति ट्रैक्टर महंगा हो गया है। अन्य निर्माण सामग्री की कीमत में भी मामूली बढ़ोतरी हुई है। अधूरे मकान और भवन को पूरा करने में सबसे बड़ी समस्या राजमिस्त्री और मजदूरों को लेकर है। भवन-मकान बनाने में लगे मिस्त्री व मजदूर बारिश होने के बाद से काम छोड़कर अपने-अपने खेती-बाड़ी में लग गये हैं। इस कारण भवन और मकान का निर्माण कार्य प्रभावित होने लगा है। बारिश के बाद चिमनी भट्ठों में ईंट निर्माण का काम भी ठप हो गया है।

बुजुर्ग पुजारियों और संतों को मानदेय देने की तैयारी में योगी सरकार

धार्मिक स्थलों का बनेगा नया पोर्टल

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों, मंदिरों और मठों की जानकारी मुहैया कराने के लिए राज्य सरकार एक नया पोर्टल बनाएगी। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के 60 वर्ष से अधिक उम्र के पुजारियों और संतों को मानदेय भी दिया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पदाधिकारियों को नए सिरे से दूसरे राज्यों में इस तरह की व्यवस्थाओं का अध्ययन कर जल्द से जल्द रिपोर्ट देने को कहा है।

मानदेय की नीति ठीक से तैयार करने के निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने पिछले सोमवार (1 जुलाई को) धर्मार्थ कार्य निदेशालय की ओर से विभिन्न योजनाओं पर प्रस्तुतीकरण दिया गया था। इस दौरान नया पोर्टल बनाने पर विचार विमर्श किया गया। इसके लिए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि पहले प्रामाणिक जानकारियां जुटाई जाएं। साथ ही मुख्यमंत्री ने संतों और पुजारियों के लिए मानदेय की नीति ठीक से तैयार करने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी द्वारा बुलाई गई इस बैठक में संतों को मानदेय देने के लिए एक बोर्ड बनाने पर भी मंथन हुआ। इसके अलावा सिख और बौद्ध धर्म से जुड़े तीर्थों की यात्रा के लिए अनुदान देने पर भी विचार हुआ।

प्रयागराज में सबसे ज्यादा पूजा स्थल, गोरखपुर में सबसे कम

साल 2011 की जनगणना के मुताबिक उत्तर प्रदेश में साढ़े तीन लाख पूजा स्थल हैं। 3 लाख 54 हजार 421 पूजा स्थलों में मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च शामिल है। यूपी के शहरी इलाकों में 59022 पूजा स्थल हैं जबकि ग्रामीण इलाकों में 295399 पूजा स्थल हैं।

आम से दोगुना महंगा हुआ टमाटर

मुर्गे को मात दे रही है हरी मिर्च

रांची। सब्जी खरीदारों को महंगाई का जोरदार झटका लग रहा है कुछ को छोड़ दें तो प्राय सब्जियों की कीमत 40 रुपये प्रति किलो के पार हो गयी है। नौबत ऐसी कि आम से दोगुना महंगा टमाटर है तो कीमत के मामले में ब्यॉलर मुर्गा को हरी मिर्च पटखनी दे रही है। पहले अधिक गर्मी तो अब लगातार हो रही बारिश के कारण सब्जियों की उपज आधी हो गयी है। मांग अधिक और उपज कम के कारण दाम घटने का नाम नहीं ले रहा है। सब्जी मंडियों में इन दिनों महंगाई की आग लगी है। खरीदारों को समझ में नहीं आ रहा कि क्या खरीदें और क्या न खरीदें। बिहार के महाराजगंज के आसपास सिकटिया, पोखरा, इन्दौली, कसदेवरा आदि इलाके में बड़े पैमाने पर खेती की जाती है।अभी खेतों में कद्दू, बोड़ा, भिण्डी, करैला, परोर, खीरा आदि सब्जी की फसलें लगी हैं। सिकटिया गांव के किसान धनंजय यादव, आशानगर के रौशन कुमार, दीपनगर के राकेश कुमार व अन्य कहते हैं कि गर्मी से राहत मिली तो बारिश ने उम्मीदों पर पानी फेर दिया। पौधों में फूल तो निकल रहे हैं। लेकिन जुलाई की शुरुआत से लगातार हो रही बारिश के कारण फूल गंदे हो जाने से फल नहीं लग रहे।

व्यापार जगत

सेंसेक्स में मामूली 36 अंक की गिरावट, निफ्टी स्थिर

एजेंसी । मुंबई

हाल की तेजी के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली से बीएसई सेंसेक्स सोमवार को मामूली 36.22 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी लगभग स्थिर बंद हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख से भी घरेलू शेयर बाजार की धारणा प्रभावित हुई। सेंसेक्स की शुरूआत कमजोर रही। अंत में यह 36.22 अंक की मामूली गिरावट के साथ 79,960.38 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 264.77 अंक तक नीचे चला गया था। निफ्टी भी 3.30 अंक की नाममात्र गिरावट के साथ 24,320.55 अंक पर बंद हुआ।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में कारोबार सकारात्मक दायरे में

सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन, अडानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फिनसर्व प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा मोटर्स प्रमुख रूप से लाभ में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में कारोबार सकारात्मक दायरे में रहा। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को लाभ में रहे थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85.70 डॉलर प्रति बैरल रहा।

शुरुआती लाभ गंवा रुपया एक पैसे टूटकर बंद

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में नरमी के चलते रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती बढ़त गंवाकर एक पैसे के नुकसान के साथ 83.50 पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.45 पर खुला और कारोबार के दौरान 83.44 के ऊपरी स्तर तक गया और 83.50 के निचले स्तर पर आया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कमजोर डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से रुपये को मजबूती मिली। हालांकि, कमजोर घरेलू बाजारों ने रुपये पर दबाव बनाया, जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

श्रम मंत्रालय ने रोजगार सृजन पर सिटीग्रुप की रिपोर्ट को नकारा

एजेंसी । नई दिल्ली

श्रम मंत्रालय ने सोमवार को सिटीग्रुप की हाल में आई उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि भारत को सात प्रतिशत की वृद्धि दर होने पर भी रोजगार के समुचित अवसर पैदा करने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस रिपोर्ट को तैयार करते समय 'आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) और भारतीय रिजर्व बैंक के केएलईएमएस डेटा जैसे आधिकारिक स्रोतों से उपलब्ध व्यापक और सकारात्मक रोजगार आंकड़ों को ध्यान में नहीं रखा गया है। आरबीआई का केएलईएमएस डेटा उत्पादन में पांच प्रमुख बिंदुओं- पूंजी, श्रम, ऊर्जा, सामग्री और सेवाओं के बारे में जानकारी मुहैया कराता है। सिटीग्रुप ने भारत में रोजगार के बारे में हाल में जारी एक रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि सात प्रतिशत की दर से वृद्धि करने पर भी भारत को रोजगार के पर्याप्त अवसर मुहैया कराने में समस्या पेश आ सकती है। कुछ प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों ने इस रिपोर्ट का हवाला देते हुए खबरें जारी की हैं।

मोबिक्विक का सबसे बड़ी डिजिटल वॉलेट कंपनी होने का दावा

मुंबई। मोबिक्विक अप्रैल और मई में मूल्य के आधार पर पीपीआई वॉलेट लेनदेन के मामले में सबसे बड़ा डिजिटल वित्तीय सेवा मंच बन गया है। कंपनी ने सोमवार को यह दावा किया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों का हवाला देते हुए मोबिक्विक ने कहा कि उसने दो महीने में प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) वॉलेट के जरिये वित्तीय लेनदेन में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई है। कंपनी की मूल्य के आधार पर बाजार हिस्सेदारी मार्च, 2024 के 11 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल में 20 प्रतिशत और मई में 23 प्रतिशत हो गई। मोबिक्विक की सह-संस्थापक एवं मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) उपासना टाकू ने कहा कि नए उत्पाद 'पॉकेट यूपीआई' ने इसकी पहुंच बढ़ाने और उपयोगकर्ताओं के लिए भुगतान को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एसी, एलईडी लाइट की पीएलआई योजना के लिए फिर आवेदन

एजेंसी । नई दिल्ली

सरकार ने सोमवार को कहा कि वह एयर कंडीशनर (एसी) और एलईडी लाइट जैसे घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों (व्हाइट गुड्स) के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत आवेदन की प्रक्रिया 15 जुलाई से 90 दिन के लिए एक बार फिर शुरू करने जा रही है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत व्हाइट गुड्स उद्योग अधिक निवेश करना चाहता है। इसे ध्यान में रखते हुए आवेदन की प्रक्रिया 15 जुलाई से 12 अक्तूबर तक खुली रहेगी। समयसीमा खत्म होने के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। किसी भी तरह के भेदभाव से बचने के लिए, नए आवेदकों के साथ योजना के मौजूदा लाभार्थियों को भी अपना निवेश बढ़ाकर आवेदन करने के लिए पात्र बनाया गया है। अब तक 6,962 करोड़ रुपये के प्रतिबद्ध निवेश वाली 66 आवेदक कंपनियों को पीएलआई योजना के लाभार्थियों के रूप में चुना गया है। योजना के दिशानिर्देशों के तहत, आवेदक केवल योजना की शेष अवधि के लिए ही प्रोत्साहन पाने के हकदार होंगे।

नीति आयोग की संचालन परिषद की बैठक 27 जुलाई को, मोदी करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीति आयोग की 27 जुलाई को होने वाली नौंवी संचालन परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में 2047 तक भारत को विकसित बनाने से जुड़े दस्तावेज पर चर्चा की जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। नीति आयोग की शीर्ष नीतिगत इकाई परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। मोदी नीति आयोग के चेयरमैन हैं। नीति आयोग की संचालन परिषद की बैठक 27 जुलाई को होगी।

यूरो 2024

सेमीफाइनल में स्पेन का सामना काइलियान एमबाप्पे की फ्रांस से

एजेंसी । म्युनिख

स्पेन और फ्रांस यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में मंगलवार को आमने सामने होंगे जिसमें टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम का सामना सबसे कम गोल करने वाली टीम से होगा जिसके स्टार खिलाड़ी काइलियान एमबाप्पे भी फॉर्म में नहीं हैं । इस मैच के विजेता का सामना रविवार को बर्लिन में फाइनल में इंग्लैंड या नीदरलैंड से होगा । इंग्लैंड और नीदरलैंड का सेमीफाइनल बुधवार को खेला जायेगा । स्पेन और फ्रांस दोनों के क्वार्टर फाइनल अतिरिक्त समय तक खिंचे । स्पेन ने अतिरिक्त समय के आखिरी मिनट में सब्स्टीट्यूट मिकेल मेरिनो के गोल के दम पर मेजबान जर्मनी को 2 . 1 से हराया जबकि फ्रांस ने पेनल्टी शूटआउट में पुर्तगाल को हराया ।

स्पेन के लिये चिंता का सबब

फ्रांस का कोई खिलाड़ी ओपन प्ले में यूरो 2024 में गोल नहीं कर सका । फ्रांस को दो आत्मघाती गोलों और पेनल्टी में एमबाप्पे के एक गोल का फायदा मिला । स्पेन ने टूर्नामेंट में 11 गोल किये । एमबाप्पे का सामना रीयाल मैड्रिड के अपने कई साथी खिलाड़ियों से होगा । आस्ट्रिया के खिलाफ पहले मैच में नाक टूटने के बाद वह फिर रक्षात्मक मास्क पहनकर खेलेंगे । रिकॉर्ड चौथी बार यूरो खिताब जीतने की कोशिश में जुटी स्पेन ग्रुप चरण में सारे मैच जीतने वाली अकेली टीम थी । वहीं फ्रांस ने आस्ट्रिया को मामूली अंतर से हराने के अलावा नीदरलैंड और पोलैंड से ड्रॉ खेले । स्पेन के लिये चिंता का सबब यह है कि उसके कई खिलाड़ी निलंबन या चोट के कारण सेमीफाइनल से बाहर होंगे ।

संभावित लाइन-अप

स्पेन: उनाई सिमोन, नवास, नाचो, लापोर्टे, कुकुरेला; ओल्मो, रोड्री, फैबियन रुइज़; लैमिन यामल, मोराटा, विलियम्स

निलंबित: कार्वाजल, ले नॉर्मैंड

फ्रांस: मेगनन; कोंडे, सलीबा, उपामेकानो, हर्नांडेज़; कांते, चौमेनी, कैमाविंगा, ग्रिज़मैन; कोलो मुआनी, एमबाप्पे

सेमीफाइनल का रास्ता

स्पेन

ग्रुप बी

3-0 बनाम क्रोएशिया (मोराटा 29, फैबियन रुइज़ 32, कार्वाजल 45+2)

1-0 बनाम इटली (कैलाफियोरी ओग 55)

1-0 बनाम अल्बानिया (फेरान टोरेस 13)

राउंड ऑफ़ 16

4-1 बनाम जॉर्जिया (रॉड्री 39, फैबियन रुइज़ 51, विलियम्स 75, ओल्मो 83; ले नॉर्मंड ओग 18)

क्वार्टर-फ़ाइनल

2-1 बनाम जर्मनी एट (दानी ओल्मो 51, मेरिनो 119; विर्ट्ज़ 89)

फ़्रांस

ग्रुप डी

1-0 बनाम ऑस्ट्रिया (वोबर ओग 38)

0-0 बनाम नीदरलैंड्स

1-1 बनाम पोलैंड (एमबाप्पे 56 पेन; लेवांडोव्स्की 79 पेन)

राउंड ऑफ़ 16

1-0 बनाम बेल्जियम (वर्टोंगेन ओग 85)

क्वार्टर फ़ाइनल

0-0 एईटी, 5-3 पेन बनाम पुर्तगाल

म्यांमा पर पहली जीत दर्ज करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी । नई दिल्ली।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम मंगलवार को यांगून में होने वाले दोस्ताना मैच में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली म्यांमा टीम पर जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी । विश्व रैंकिंग में 67वें स्थान पर काबिज भारत ने 54वीं रैंकिंग वाली म्यांमा के खिलाफ अब तक पांच में से एक भी मैच नहीं जीता है । चार मैच हारे और एक ड्रॉ रहा । दोनों टीमों के बीच आखिरी मुकाबला 2019 में एएफसी महिला ओलंपिक क्वालीफायर में हुआ था जो 3 . 3 से ड्रॉ रहा । संध्या रंगनाथन, संजू और एन रतनबाला देवी सभी उस टीम का हिस्सा थी और मौजूदा टीम में भी हैं । इन्होंने उस मैच में गोल दागे थे । इससे पहले भारतीय टीम चार बार एएफसी महिला एशियाई कप क्वालीफायर में म्यांमा से हारी है । भारतीय कप्तान एल आशालता देवी ने एआईएफएफ द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा ,'' हमने उनके खिलाफ पहले भी खेला है तो हमें उनके बारे में पता है । म्यांमा की टीम शारीरिक रूप से काफी मजबूत है और उनकी रफ्तार भी अच्छी है । हम बेहतर प्रदर्शन करके उन्हें हरा सकते हैं ।''

एशियाई खेलों में टीम ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई थी म्यांमा की टीम

भारत ने इससे पहले 31 मई और चार जून को 48वीं रैंकिंग वाली उजबेकिस्तान टीम से खेला था जिसमें 0 . 3 से हार मिली और एक मैच गोलरहित ड्रॉ रहा । म्यांमा की टीम ने पिछले साल सितंबर में एशियाई खेलों के बाद नहीं खेला है । एशियाई खेलों में टीम ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई थी ।

ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले दो खिलाड़ियों को 15 लाख रुपए देने की घोषणा

एजेंसी । भुवनेश्वर

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को हॉकी खिलाड़ी अमित रोहिदास और दिग्गज भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना के लिए 15-15 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि की घोषणा की। ये दोनों पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार माझी ने उम्मीद जताई कि प्रोत्साहन राशि ओडिशा के दो खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और देश को गौरवांवित करने के लिए प्रेरित करेगी। माझी ने कहा कि जेना और रोहिदास ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करके अपने गृह नगरों के साथ-साथ पूरे राज्य को गौरवांवित किया है। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों के प्रयास, इच्छाशक्ति, कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ता से राज्य में युवाओं और उभरती प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''ओडिशा में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और राज्य सरकार राज्य के हर कोने में ऐसी प्रतिभाओं के सर्वांगीण विकास के लिए जमीनी स्तर पर आवश्यक बुनियादी ढांचा, वित्तीय सहायता और अन्य सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

टी20 विश्व कप जीत बनी हॉकी दिग्गज श्रीजेश की प्रेरणा

एजेंसी । बेंगलुरू

'अंत तक हार नहीं माननी है और लड़ते रहना है', भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्व कप खिताबी जीत ने अपना चौथा ओलंपिक खेलने जा रहे भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश को भी प्रेरित किया है जो इसे पेरिस में याद रखेंगे । भारत ने दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप के रोमांचक फाइनल में हार की कगार पर पहुंचने के बाद हराया और 11 साल बाद आईसीसी खिताब जीता । श्रीजेश ने इंटरव्यू में कहा ,'' मैने फाइनल मैच देखा था । मैने इससे सबसे बड़ी सीख ली है कि आखिरी गेंद से पहले जश्न नहीं मनाना है । दक्षिण अफ्रीका 15वें ओवर तक आसानी से जीत रहा था लेकिन भारतीय टीम ने उम्मीद नहीं छोड़ी और हार की कगार पर पहुंचकर जीत दर्ज की । इससे हमें ही नहीं बल्कि ओलंपिक जाने वाले हर खिलाड़ी को सीखना चाहिये । हार नहीं माननी है, इंतजार करना है और अंतिम समय तक डटे रहना है, जीत जरूर मिलेगी । मैं इसे ओलंपिक में याद रखूंगा ।''

मालदीव के पर्यटन निकाय ने टी20 विश्व विजेता भारतीय टीम को किया आमंत्रित

एजेंसी । माले

मालदीव के पर्यटन संघ और उसके विपणन एवं जनसंपर्क निगम ने हाल ही में टी20 विश्व चैंपियन बनी भारतीय क्रिकेट टीम को जीत का जश्न मनाने के लिए अपने देश आमंत्रित किया है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने बारबडोस में 29 जून को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर ट्रॉफी जीती थी। दोनों निकायों ने एक संयुक्त बयान में कहा, '' 'मालदीव मार्केटिंग एंड पब्लिक रिलेशंस कॉरपोरेशन (एमएमपीआरसी / विजिट मालदीव)' ने 'मालदीव एसोसिएशन ऑफ टूरिज्म इंडस्ट्री (एमएटीआई)' के सहयोग से भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को एक विशेष और खुला निमंत्रण दिया है।''

एमएमपीआरसी मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक इब्राहिम शिउरी और एमएटीआई के महासचिव अहमद नजीर ने संयुक्त बयान में कहा कि वे टीम की मेजबानी के लिए उत्सुक हैं। भारतीय टीम विश्व चैंपियन बनने के बाद गुरुवार को भारत लौटी है।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पूर्व जयसूर्या श्रीलंका के अंतरिम कोच नियुक्त

एजेंसी । कोलंबो

श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या को इस महीने के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला से पहले टीम का अंतरिम मुख्य कोच नामित किया गया है। भारतीय टीम 27 जुलाई से शुरू होने वाले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे मैचों के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। आक्रामक बल्लेबाजी के साथ स्पिन गेंदबाजी करने वाले 55 साल के वामहस्त खिलाड़ी जयसूर्या इंग्लैंड के क्रिस सिल्वरवुड की जगह लेंगे। सिल्वरवुड ने टी20 विश्व कप में टीम टीम के खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफा दे दिया था।

जयसूर्या का रिपोर्ट कार्ड

वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले गये इस विश्व कप में टीम लीग चरण से आगे नहीं बढ़ पायी थी। रिपोर्ट के अनुसार जयसूर्या श्रीलंका के इंग्लैंड टेस्ट दौरे की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। जयसूर्या इससे पहले टीम के मुख्य चयनकर्ता भी रह चुके हैं। अपने समय के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक जयसूर्या टी20 विश्व कप के दौरान टीम के सलाहकार थे। जयसूर्या ने 1991 से 2007 के बीच श्रीलंका के लिए 110 टेस्ट में 6973 रन बनाये। इस दौरान उनका औसत 40.07 का रहा है और उन्होंने 14 शतक और 31 अर्धशतक जड़े। उन्होंने 445 एकदिवसीय में 28 शतक और 68 अर्धशतक की मदद से 13,430 रन बनाये हैं। जयसूर्या ने टेस्ट में 98 जबकि एकदिवसीय में 323 विकेट भी चटकाए हैं। वह 1996 में विश्व कप जीतने वाली श्रीलंका की टीम के अहम सदस्य थे।

अक्षय कुमार की 'सरफिरा' को मिला 'U' सर्टिफिकेट

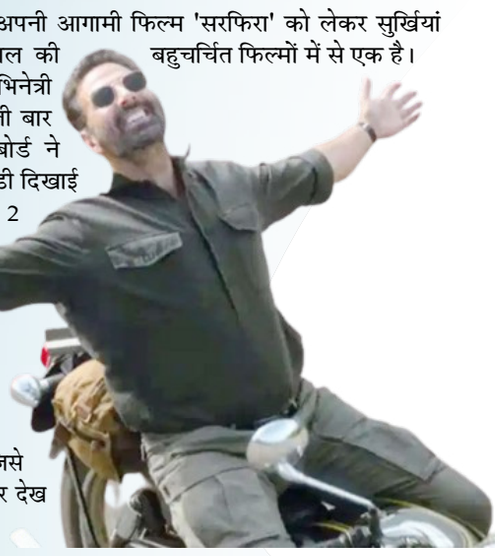

अक्षय कुमार पिछले कुछ दिनों से अपनी आगामी फिल्म 'सरफिरा' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में अक्षय की जोड़ी अभिनेत्री राधिका मदान के साथ बनी है, जिसे पहली बार देख जाएगा। ताजा खबर है कि सेंसर बोर्ड ने 'सरफिरा' को 'U' सर्टिफिकेट देकर हरी झंडी दिखाई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह फिल्म 2 घंटे और 35 मिनट लंबी है।

'सोरारई पोटरू' की आधिकारिक हिंदी रीमेक है फिल्म

'U' सर्टिफिकेट उन फिल्मों को दिया जाता है, जिसे परिवार बिना किसी झिझक के एक साथ बैठकर देख सकता है। जिसमें किसी तरह के बोल्ड सीन या गाली-गलौज नहीं होते। 'सरफिरा' दक्षिण भारतीय अभिनेता सूर्या की सुपरहिट फिल्म 'सोरारई पोटरू' की आधिकारिक हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में परेश रावल और सीमा बिस्वास भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन सुधा कोंगारा ने किया है, वहीं अरुणा भाटिया, विक्रम मल्होत्रा, ज्योतिका और सूर्या इस फिल्म के निर्माता हैं।

12 जुलाई को रिलीज होगी फिल्म

'सरफिरा' 12 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना कमल हासन की फिल्म 'इंडियन 2' से होने वाला है। इन दिनों कई फिल्में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए सिनेमाघरों में लगी हुई हैं। प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन की फिल्म 'कल्कि 2898 AD' मौजूदा वक्त में लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। लक्ष्य लालवानी और राघव जुयाल की फिल्म 'किल' भी सिनेमाघरों में लगी हुई हैं।

'बैड न्यूज' के नए गाने 'जानम' की पहली झलक जारी

आनंद तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'बैड न्यूज' पिछले लंबे वक्त से जबरदस्त चर्चा में है। इस फिल्म के जरिए पहली बार दर्शकों को विक्की कौशल, एमी विर्क और तृप्ति डिमरी की तिकड़ी देखने को मिलेगी। फिल्म का पहला गाना 'तौबा तौबा' दर्शकों के बीच खूब धूम मचा रहा है। अब इस बीच 'बैड न्यूज' के दूसरे गाने 'जानम' की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमें विक्की और तृप्ति की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिल रही है।

19 जुलाई को रिलीज हो रही फिल्म

'बैड न्यूज' का गाना 'जानम' कल यानी 9 जुलाई को रिलीज होगा, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वीडियो में तृप्ति बेहद ग्लैमरस और बोल्ड अंदाज में दिखाई दे रही हैं। विक्की पूल के अंदर तृप्ति के साथ जबरदस्त रोमांस करते हुए नजर आ रहे हैं। कॉमेडी और रोमांस से भरपूर इस फिल्म के निर्माता करण जौहर हैं। नेहा धूपिया भी इस फिल्म में अभिनय करती नजर आएंगी। यह फिल्म 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'महाराजा' अपनी OTT रिलीज को तैयार

विजय सेतुपति और अनुराग कश्यप की फिल्म 'महाराजा' को इस साल 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। जबरदस्त एक्शन से भरपूर इस फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला और महज 20 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने 103.96 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था। अब 'महाराजा' अपनी OTT रिलीज को तैयार है। जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे OTT पर देख सकते हैं। 'महाराजा' का प्रीमियर 12 जुलाई, 2024 से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है। इस फिल्म को आप हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में देख सकते हैं। 'महाराजा' का निर्देशन निथिलन स्वामीनाथन ने किया है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। सुधन सुंदरम और जगदीश पलानीसामी इस फिल्म के निर्माता हैं। विजय और अनुराग के अलावा सचाना नामीदास, ममता मोहनदास, नटराजन सुब्रमण्यम और अभिरामी जैसे सितारों ने भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभाई है।

फिल्म 'कल्कि 2898 AD' ने बनाए रिकॉर्ड

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में प्रदर्शित हो रही हैं। प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन की फिल्म 'कल्कि 2898 AD' इस समय दर्शकों की पहली पसंद बनी हुई है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी हुई है। भारत में इसने 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, वहीं दुनियाभर में यह फिल्म 900 करोड़ रुपये की दहलीज छू चुकी है। 'कल्कि 2898 AD' ने अब तक कई उपलब्धियां हासिल की हैं। आइए जानते हैं।

इस साल पहले सप्ताह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

'कल्कि 2898 AD' 2024 की हिंदी फिल्मों में पहले सप्ताह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। फिल्म ने एक सप्ताह में हिंदी में 162.8 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इसने 'फाइटर' (146.5 करोड़) के पहले हफ्ते के कारोबार को पीछे छोड़ दिया है। 'कल्कि 2898 AD' भारत और दुनियाभर में 2024 की सबसे बड़ी भारतीय फिल्म भी बन चुकी है। 'फाइटर' (358.89 करोड़) को पछाड़ इसने पहले सप्ताह में दुनियाभर में 700 करोड़ रुपये कमाए हैं।

'कल्कि 2898 AD' को मिले सबसे ज्यादा दर्शक

'कल्कि 2898 AD' 2024 की ऐसी फिल्म बन गई है, जिसे सबसे ज्यादा दर्शक मिले हैं। पहले यह रिकॉर्ड 'हनुमान' के नाम था, जिसने 1.44 करोड़ दर्शक प्राप्त किए। इसके बाद 'फाइटर' को 1.17 करोड़ दर्शक मिले और अब 2 करोड़ दर्शक के साथ 'कल्कि' पहले पायदान पर है। इसके अलावा 'बाहुबली' (650 करोड़ रुपये) और 'सलार' (617.75 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ते हुए 'कल्कि' (900 करोड़) प्रभास की 'बाहुबली 2' के बाद सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है।

'वाइल्ड वाइल्ड पंजाब' का गाना 'मेरी बगी मेरा घोड़ा' जारी

पिछले कुछ दिनों से अभिनेता वरुण शर्मा अपनी आगामी फिल्म 'वाइल्ड वाइल्ड पंजाब' को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान सिमर प्रीत सिंह ने संभाली है। वरुण के अलावा इस फिल्म में सनी सिंह, मनजोत और जस्सी गिल जैसे सितारे भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। अब निर्माताओं ने 'वाइल्ड वाइल्ड पंजाब' का गाना 'मेरी बगी मेरा घोड़ा' जारी कर दिया है, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। इस गाने को बाली ने आवाज दी है। 'वाइल्ड वाइल्ड पंजाब' सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिल्म का प्रीमियर 10 जुलाई, 2024 से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है। भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं।

मुंबई के बड़े दिल में हर किसी के लिए जगह है : अशोक पाठक

कार्टून साभार: मनोज सिन्हा

सुन रहे हो न बिनोद... यह एक वाक्य इतना लोकप्रिय हुआ कि पूरे भारत में लोग लगातार यह बोलकर आनंद ले रहे हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी यह हल्की-फुल्की कहानी आज सिनेमा जगत में धूम मचा रही है। इस फिल्म के बिनोद अर्थात अशोक पाठक दोपहर के ऑफिस पधारें, उन्होंने दोपहर परिवार के सदस्यों के सामने अपना जीवन खोलकर रख दिया। उन्होंने कहा कि मैं मुंबई से बेहद प्यार करता हूं, यह मुंबई है, जिसने तीसरे दिन से मुझे काम दिया। मैं समझता हूं कि मुंबई के बड़े दिल में हर किसी के लिए जगह है।

दो बजे दोपहर के कार्यालय में संपादक अरुण लाल के साथ पंचायत के विनोद (अशोक पाठक)

मैं बिहार का हूं

मैं सीवान बिहार का हूं, पर मेरे पिता शादी से पहले ही रोजगार की तलाश में हरियाणा के फरीदाबाद में पहुंच गए थे। यहीं हमारा जन्म हुआ। पिता ने हेल्परी से काम शुरू किया, फिर फायरमैन के रूप में काम किया। इसके अलावा

उन्होंने परिवार चलाने के लिए बहुत से काम किए। वर्ष 2000 में पिता की जॉब जिंदल में लग गई, तो थोड़ी आर्थिक हालत ठीक हुई। फरीदाबाद में ही प्रारंभिक शिक्षा हुई। 10वीं तक यहीं पढ़ाई हुई, पर सच यह है कि हम थे पूरी तरह से नालायक, पढ़ने-लिखने में मन कभी लगा नहीं। मैंने अब तक 35 फिल्में की है। मैं घर का बड़ा बेटा हूं तो मेरी बहुत-सी पारिवारिक जिम्मेदारियां हैं, मैं उन्हें निभाता हूं। मेरे लिए परिवार बहुत ही महत्वपूर्ण है।

कॉटन बेचा, चप्पल घिसाई की

घर का बड़ा बेटा था, पढ़ाई में मन नहीं लगता था, पर मैं घर की हालत समझता था, तो मैं 9वीं में मेडिकल स्टोर, व डॉक्टर को कॉटन बेचने जाता था, 20 किमी साइकिल चलाकर जब मुझे 25 रूपए ज्यादा मिलते थे। तब लगता कि आज तो मजा ही आ गया। 10वीं में किसी तरह से पास हुए। लगा कि पढ़ाई से पीछा छूटे और परिवार को भी कुछ मदद हो तो फरीदाबाद में चप्पल की कंपनी में चप्पल घिसाई का काम करने लगा। वहां डांट पड़ती थी और पैसे भी कम थे तो छोड़ दिया। कई जगह काम किया पर कहीं जमा नहीं। तो घर वापस आए और पिता को कहा आगे की पढ़ाई करेंगे।

जीवन की तलाश

मैंने 11वीं में कॉमर्स ले लिया। पढ़ाई में मन नहीं लगता था कतई। मेरी बैच में 15 लोग थे, 13 लोगों का कंपार्टमेंट आया। मैं 40 प्रतिशत के साथ क्लियर पास हुआ था। मेरे टीचर को भी यकीन नहीं हो रहा था कि मैं पास हो गया हूं, उन्होंने मुझसे पूछा तू क्या लिखकर आया कि पास हो गया। मैंने कहा कि मुझे भी नहीं पता कि मैं क्या लिख आया हूं। खैर, 40 प्रतिशत में क्या ही करता। कहीं एडमिशन भी नहीं मिलता और मन भी नहीं था पढ़ने का। सो फिर फरीदाबाद पहुंचे। पर फिर वही मजदूरी का काम, कभी सुपरवाइजर डांट रहा है, तो कहीं मालिक। चाय पीने के लिए भी डांट पड़ रही है। मुझे जीवन का रास्ता क्या है, कुछ समझ ही नहीं आ रहा था। मन कहता था कि कुछ और करो पर कुछ करने के लिए कुछ दिखना तो चाहिए।

यहां से जीवन ने ली करवट

मुझे लोगों ने कहा कि खानदान में किसी ने बीए नहीं किया है। मैंने भी सोचा बिना कॉलेज के नॉलेज नहीं होता। सो सिफारिश से मेरा एडमिशन हिसार के सीआरएम जाट कॉलेज में बीए में करा दिया गया। मैं गाना गाता था, पर कॉलेज जाने पर पता चला कि मैं गाने के लिए नहीं बना। यहां मुझे पता चला कि थिएटर भी कोई चीज है। मेरे मित्र ने कहा कि गर्ल्स कॉमन रूम में थिएटर का ऑडिशन चल रहा है चलें, हुआ तो ठीक नहीं तो गर्ल्स कॉमन रूम कैसा होता है यह देख आते हैं।

नाटक की तरफ मन आया

किसी तरह से नाटक में सिलेक्ट हो गया। मुझे एक छोटा सा रोल मिला। मुझे लगा कि जैसे मुझे मेरा मकसद मिल गया है। मैंने नाटक के सभी के रोल याद कर लिए। रिहर्सल के दौरान लीड रोल वाला बंदा नहीं आया तो डायरेक्टर ने कहा कि किसी को उसका रोल याद हो वह कर ले बाद में उसे समझा देंगे। मैं सामने आया और ईश्वर के आशीर्वाद से मैंने इतना अच्छा किया किया कि लीड रोल को हटा कर मुझे लीड ले लिया गया। सुरेंद्र शर्मा जी का नाटक 'समझदार लोग' इतना चला कि हमने, जोनल जीते, इंटर जोनल जीते, इंटर यूनिवर्सिटी जीते अंत में हम थिएटर का नेशनल में जीत कर लाए। मैं हर जगह बेस्ट एक्टर रहा। अखबारों में मेरी जमकर फोटो छपी। पिता को लगा कि बेटे ने कुछ अलग कर लिया है। कॉलेज की फीस माफ हो गई।

नहीं मिला नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में प्रवेश

कॉलेज के बाद मैंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में ट्राय किया, वहां मेरा हुआ नहीं, सो मैं निराश हो गया। मुझे लगा मैं अच्छा एक्टर हूं यह सोचना मेरा भ्रम था। मैंने नाटक छोटा व जिंदल में वाटर ट्रीटमेंट में लग गया। 2007 में मैंने एनएसडी का अप्लाई किया, फिर नहीं हुआ। मैं निराश हो रहा था। तभी मुझे पता चला भारतेंदु नाट्य अकादमी के बारे में जो लखनऊ में है। वहां 12 लोगों का सिलेक्शन होता है, फीस नहीं देनी पड़ती और दो हजार रूपए भी मिलते हैं। मैंने वहां अप्लाई किया और वहां मेरा हो गया। इसी दौरान मुझे पहली फिल्म मिली 'शुद्रा द राइजिंग'। यहां से मेरा करियर शुरू हो गया।

मुझे मुंबई में कभी कोई स्ट्रगल करना नहीं पड़ा

भारतेंदु नाट्य अकादमी से निकलने के बाद मैंने तय कर लिया कि अब मैं मुंबई जाने को तैयार हो गया हूं। पर पैसे थे नहीं, मेरे गुरु डॉक्टर सुरेंद्र मलिक साहब ने मुझे बहुत सपोर्ट किया। उन्होंने किताबें दीं, नाटक के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने मुझसे कहा कि आप नाटक का डायरेक्शन कर लो। कुछ पैसे मिलेंगे। मुझे वहां से 45 हजार रुपए मिले। मैं चार बंगला में पहुंचा जहां मेरे पांच बैचमेट वन रूम किचन में रहते थे। छठा मैं पहुंचा। पहुंचने के तीसरे दिन सोनी लिव लांच हो रहा था। मेरे दोस्त ने कहा तू गा लेता है, चल ऑडिशन दे दे। मैंने ऑडिशन दिया। मुझे काम मिल गया। मैंने कई ऑडिशन दिए। एक महीने बाद मैं बीच में था मुझे कॉल आया कि आप सिलेक्ट हो गए हो, उसने मुझे उसने कहा कि दो दिन का काम है, आपको परसेवेंटी थाउजेंट मिलेंगे। मैं समझा कि वह 17 हजार दे रहा है। पर बाद में पता चला कि वह 70 हजार था। दो दिनों के काम में मुझे सवा लाख रुपए मिले थे। मैं समझ नहीं पा रहा था कि इतना पैसा क्या करूंगा। मेरे पिता ने जिंदगी भर मेहनत की पर वे एक लाख रुपए नहीं बचा पाए, यहां मैं दो दिन में इतने पैसे पा गया था।

जीवन में सबसे अच्छा समय

मैं समझता हूं कि मेरे जीवन में सबसे खूबसूरत दिन तब थे जब मैं 30 किलोमीटर साइकिल चलाकर जाता था, डॉक्टरों को कॉटन बेचते समय कहता था कि सिर्फ 10 रुपए मार्जिन ले रहा हूं, जबकि मैं 30 रुपए मार्जिन ले रहा होता था। मैंने बहुत से छोटे-मोटे काम किए। इसे मैं संघर्ष नहीं मानता, मैं मानता हूं कि इन्हीं दिनों ने मुझे तैयार किया। ये अनुभव ही हैं, जिन्होंने मुझे कलाकार बनाने में मदद की।

हम सोशल मीडिया में हैं, पर सोशल नहीं हैं

आज की भागती-दौड़ती जिंदगी में, मोबाइल ने हमारी जिंदगी को संकुचित कर दिया है। हम सोशल साइट पर हैं, पर हम सोशल नहीं हैं। एक ही घर में चार लोग हैं, वे आपस में बात नहीं करते सोशल मीडिया पर दूर के एक अनजान से नकली बातें कर रहे होते हैं। 'पंचायत' इस सब से अलग कहानी है। यहां एक सीधी-साधी कहानी को लेकर इतनी लोकप्रिय हुई, इससे पता चलता है कि लोग अपने रूट में वापस आ रहे हैं। पंचायत की लोकप्रियता बताती है कि लोगों के मन में प्रेम, दोस्ती भाईचारा भरा हुआ है।

शिक्षा से मिटेगा जातिवाद

मुझे इस बात का दुख होता है कि आज के समय में कई बार जब खबर आती है कि कोई घोड़े पर चढ़कर जा रहा है, तो किसी जाति को यह नागवार गुजरता है। मैं समझता हूं इंसान सभी बराबर हैं। सभी का खून एक है। जात-पात यह अशिक्षा से जुड़ा हुआ है। इसे कोई बदल सकता है तो वह है एज्युकेशन है। जब तक लोगों को सही एज्युकेशन नहीं मिलता, तब तक आप चाहे जो कर लें यह दुर्भाग्य मिटेगा नहीं।

महुआ मोइत्रा की बढ़ी मुश्किलें

पुलिस ने X से महुआ के पोस्ट की डिटेल मांगी

NCW चीफ पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, फिर पोस्ट डिलीट कर दिया

एजेंसी । नई दिल्ली

TMC सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ FIR दर्ज करने के एक दिन बाद दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X से महुआ के पोस्ट को लेकर जानकारी मांगी है। महुआ ने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के खिलाफ X पर अपमानजनक पोस्ट किया था, जिसे उन्होंने कुछ देर बाद डिलीट कर दिया था। रविवार को दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने नए क्रिमिनल कानूनों के सेक्शन 79 (शब्दों, इशारों या हरकतों से महिला की अस्मिता का अपमान करना) के तहत महुआ के खिलाफ FIR दर्ज की थी।

जांच के लिए महुआ मोइत्रा को बुला सकती है पुलिस

एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने X को लिखा है और सोशल मीडिया कंपनी से प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, जांच के लिए पोस्ट की डिटेल पता करना जरूरी है। हालांकि इन्वेस्टिगेटर्स ने पहले ही पोस्ट के स्क्रीनशॉट जमा कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो आने वाले दिनों में मोइत्रा को पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा।

असम में बाढ़ से राहत नहीं, 23 लाख लोग प्रभावित

एक हफ्ते से अधिक समय से पानी में डूबे हैं कई जिले

गुवाहाटी। असम में बाढ़ से राहत मिलती नहीं दिख रही। 28 जिले हफ्तेभर से पानी में डूबे हुए हैं। राज्य की 23 लाख आबादी सीधे तौर पर इससे प्रभावित है। अधिकारियों ने बताया, राज्य में बाढ़ की स्थिति सोमवार को भी गंभीर बनी रही। अधिकतर नदियों का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर है। राज्य में इस वर्ष बाढ़, भूस्खलन और तूफान में 78 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि इनमें से केवल बाढ़ के कारण 66 लोग मारे गए हैं। बाढ़ से 68,432.75 हेक्टेयर फसल भूमि जलमग्न हो गई है। कुल 53,689 लोगों ने 269 राहत शिविरों में शरण ली है, जबकि राहत शिविरों में नहीं रह रहे 3,15,520 लोगों को राहत सामग्री प्रदान की गई है। ब्रह्मपुत्र निमती घाट, तेजपुर और धुबरी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। राहत एवं बचाव कार्यों के लिए विभिन्न हिस्सों में 171 नौकाओं को तैनात किया गया है।

मासिक धर्म अवकाश पर नीति तैयार करे केंद्र : सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट के निर्णय से पड़ सकता प्रतिकूल असर

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह राज्यों व अन्य हितधारकों के साथ परामर्श कर महिला कर्मचारियों के लिए मासिक धर्म अवकाश पर एक मॉडल नीति तैयार करे। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह मुद्दा नीति से संबंधित है। यह अदालतों के विचार के लिए नहीं है। पीठ ने कहा कि इसके अलावा, महिलाओं को ऐसी छुट्टी देने के संबंध में अदालत का निर्णय प्रतिकूल और हानिकारक साबित हो सकता है, क्योंकि नियोक्ता उन्हें काम पर रखने से परहेज कर सकते हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय करे विचार

पीठ ने याचिकाकर्ता की तरफ से पेश वकील राकेश खन्ना को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के पास जाने की अनुमति दी। निर्देश दिया कि सचिव इस मामले पर नीतिगत स्तर पर विचार करें और सभी हितधारकों से परामर्श के बाद निर्णय लें। यह भी देखें कि क्या एक मॉडल नीति बनाई जा सकती है।

राज्यों के रास्ते में न आए केंद्र

शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि अगर राज्य इस संबंध में कोई कदम उठाते हैं, तो केंद्र की परामर्श प्रक्रिया उनके रास्ते में नहीं आएगी। न्यायालय ने इससे पहले देशभर में छात्राओं व कामकाजी महिलाओं को मासिक धर्म अवकाश देने का अनुरोध करने वाली याचिका का निपटारा कर दिया था।

स्कूल वैन पलटने से छह बच्चे घायल

सूरत। गुजरात के सूरत जिले में सोमवार सुबह एक स्कूल वैन पीछे से बस से टकराकर पलट गई। इस हादसे में छह स्कूली बच्चे घायल हो गए। पुलिस ने वैन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। किम पुलिस थाना प्रभारी बताया कि वैन में नौ छात्र सवार थे, जो एक निजी स्कूल जा रही थी। सब इंस्पेक्टर वीआर चोसला ने बताया कि अनीता गांव के पास स्कूल वैन, बस से पीछे से टकराकर पलट गई। घायल हुए छह बच्चों को अस्पताल ले जाया गया। चार बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। दो बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं।

गुजरात के कच्छ में 3.3 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी । अहमदाबाद

गुजरात के कच्छ जिले में सोमवार दोपहर 3.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भारतीय भूकंप विज्ञान अनुसंधान केंद्र के अधिकारी ने यह जानकारी दी। आईएसआर ने अपने अपडेट में बताया कि भूकंप का केंद्र कच्छ जिले के दुधई से 10 किलोमीटर पूर्व उत्तर पूर्व (ईएनई) में था। भूकंप दोपहर करीब 4:10 बजे दर्ज किया गया और 30 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। इस महीने राज्य के सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में दर्ज किया गया यह 3 तीव्रता से अधिक का तीसरा भूकंप है।

संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं

अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी के घायल होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जीएसडीएमए) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, राज्य में भूकंप का खतरा बहुत अधिक है। पिछले 200 वर्षों में नौ बड़े भूकंप आए हैं। जीएसडीएमए ने कहा कि 26 जनवरी, 2001 को कच्छ में आया 6.9 तीव्रता का भूकंप पिछली दो शताब्दियों में देश में तीसरा सबसे बड़ा और दूसरा सबसे विनाशकारी भूकंप था। जीएसडीएमए के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र भचाऊ के पास था, जिसमें 13,800 लोग मारे गए और 1.67 लाख लोग घायल हुए।

भूस्खलन से कई जिलों का सड़क संपर्क टूटा, 4 की मौत

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में बारिश के कारण हुए भूस्खलन से कई जिलों का सड़क संपर्क बाधित हो गया है। राज्य में प्राकृतिक आपदाओं के कारण अप्रैल से अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने कहा, लोहित और अंजाव जिलों में सड़क बाधित है, जबकि क्रा दादी जिले में सड़क भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गई है। पूर्वी सियांग जिले के गेयिंग में राष्ट्रीय राजमार्ग-513 भी बाधित हो गया है। उन्होंने बताया, इस वर्ष अप्रैल से अब तक प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन से 72,900 से अधिक लोग और 257 गांव प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार अब तक 160 सड़कें, 76 बिजली लाइनें, बिजली के 30 खंभे, तीन ट्रांसफार्मर, नौ पुल, 11 पुलिया और 147 जल आपूर्ति प्रणालियां क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं।